दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित »» दिल्ली »» गाजियाबाद »» नोएडा »» ग्रेटर नोएडा »» हापुड़ »» अमरोहा »» बागपत »» मेरठ »» मुजफ्फर नगर »» बिजनौर »» मुरादाबाद »» बुलंदशहर »» अलीगढ़ »» फरीदाबाद »» गुड़गांव »» सोनीपत RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 42 डिग्री
न्यूनतम तापमान 31 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 41 डिग्री
न्यूनतम तापमान 30 डिग्री

बुधवार 11 जून 2025
सूर्योदय प्रातः 05:23 बजे
सूर्यास्त सायं 19:20 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 कश्मीर में रेल की कल्पना सदियों पुरानी

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 16 | अंक : 236 | गाजियाबाद, बुधवार 11 जून 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

पिछले 11 वर्षों में रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर विशेष जोर दिया गया : मोदी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि देश में पिछले 11 वर्षों में रक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है और सरकार ने रक्षा उत्पादन में आधुनिकीकरण और आत्मनिर्भरता पर विशेष जोर दिया है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार के 11 वर्ष पूरे होने के मौके पर शीर्ष नेतृत्व की ओर से सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख किया जा रहा है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में देशवासियों के सामूहिक संकल्प और रक्षा क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भरता तथा प्रौद्योगिकी में उत्कृष्टता की ओर ले जाने के अटूट दृढ़ संकल्प पर गर्व व्यक्त किया। श्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, " पिछले 11 वर्षों में हमारे रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं, जिसमें आधुनिकीकरण और रक्षा उत्पादन के मामले में आत्मनिर्भर बनने पर स्पष्ट ध्यान दिया गया है।

ईडी के समन पर नहीं पेश हुए रॉबर्ट वाड्रा, एजेंसी से मांगी नई तारीख

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा तबियत खराब होने का हवाला देकर मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की पूछताछ में शामिल नहीं हुए। उन्हें भगोड़े हथियार डीलर संजय भंडारी से जुड़े धन शोधन मामले और हरियाणा के गुरुग्राम जमीन घोटाला मामले में समन जारी किया गया था। रॉबर्ट वाड्रा ने अगली तारीख पर पूछताछ में शामिल होने को कहा है। ईडी सूत्रों ने बताया कि उन्होंने ईडी को ई-मेल लिख कर समय मांगा, जिसमें उन्होंने तबियत खराब होने का हवाला दिया है। वाड्रा ने ईडी को ई-मेल कर अगली तारीख पर पूछताछ में शामिल होने की बात कही है। इस मामले में रॉबर्ट वाड्रा से ईडी पहले भी पूछताछ कर चुकी है और उन्होंने कुछ भी गलत करने से इनकार किया है। इस मामले में ईडी चार्जशीट भी दाखिल कर चुकी है, लेकिन उसमें वाड्रा बतौर आरोपी नहीं हैं।

मोदी ने आतंकवाद पर दुनिया को संदेश देकर लौटे बहुदलीय प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात की

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

आतंकवाद पर दुनिया को भारत का संदेश और दृष्टिकोण स्पष्ट करने के बाद स्वदेश लौटे सभी सात बहुदलीय प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों ने मंगलवार को मोदी से मुलाकात की और उन्हें विभिन्न देशों में अपनी बैठकों और वार्ता के बारे में बताया।

श्री मोदी ने विभिन्न देशों की यात्रा पर गए विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों की 7 लोक कल्याण मार्ग स्थित आवास पर मेजबानी की। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने विभिन्न देशों में राजनीतिक नेतृत्व, विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों, संगठनों, थिंक टैंक, मीडिया और भारतीय समुदाय के साथ अपनी बैठकों और बातचीत से प्रधानमंत्री को अवगत कराया। प्रधानमंत्री ने प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों के लिए रात्रि भोज का आयोजन किया है। इससे पहले प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से भी मुलाकात कर उन्हें भी इस बारे में जानकारी दी थी।

उल्लेखनीय है कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पाकिश्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करने के लिए भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद सरकार ने आतंकवाद पर दुनिया के समक्ष भारत का रुख स्पष्ट करने के लिए 30 से भी अधिक देशों में सात बहुदलीय प्रतिनिधिमंडलों को भेजा था।

द्वारका के फ्लैट में आग लगने से पिता और दो बच्चों की मौत

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

दिल्ली के द्वारका सेक्टर 13 के सबद अपार्टमेंट की 7वीं मंजिल पर स्थित एक फ्लैट में आग लगने के बाद अपनी और परिवार की जान बचाने के चक्कर में पिता समेत दो बच्चों की मौत हो गई। मौके पर 8 दमकल गाड़ियां पहुंच गई हैं। आग से बचने के लिए छठी मंजिल से कूदने के कारण 3 की मौत हो गई।

वीडियोज में अपार्टमेंट बिल्डिंग आग में घिरी हुई दिख रही थी और खिड़कियों से आग की तेज लपटें निकल रही थीं। इसी आग से बचने के लिए एक ही परिवार के तीन लोगों (2 बच्चे और एक पिता) ने बालकनी से छलांग लगा दी, जिससे उनकी मौत हो गयी।

पुलिस के अनुसार, दो बच्चे (10 से 12 साल की उम्र का एक लड़का और एक लड़की) खुद को बचाने के लिए आठवीं मंजिल की बालकनी से कूद गए। घायल अवस्था में उन्हें आकाश अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

बाद में उनके पिता यश यादव (35) ने भी उसी बालकनी से छलांग लगा दी। उन्हें आईजीआई अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि यादव की पत्नी और भतीजी को भी घायल अवस्था में आकाश अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यादव का फ्लेक्स बोर्ड का कारोबार था। यह परिवार इमारत की ऊपरी दो मंजिलों पर डुप्लेक्स में रहता है।

इस घटना के दृश्यों में सेक्टर 13 स्थित 'सपथ सोसाइटी' की इमारत से आग की लपटें और घना धुआं निकलता हुआ दिखाई दे रहा है जबकि नीचे लोग अपनी-अपनी बालकनी में हैं और मदद के लिए गुहार लगा रहे हैं।

पुलिस ने बताया कि आग एमआरवी स्कूल के पास स्थित हाउसिंग अपार्टमेंट की आठवीं और नौवीं मंजिल पर लगी। दिल्ली अग्निशमन सेवा के अनुसार, विभाग को सुबह 10।01 बजे आग लगने की सूचना मिली। शुरू में दमकल की आठ गाड़ियां मौके पर भेजी गई थी, लेकिन आग की भीषण स्थिति स्पष्ट होने पर दमकल की और गाड़ियां घटनास्थल भेजी गईं।

आग को काफी दूर से देखा जा सकता था। मौके पर मौजूद एक अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि ऊपरी मंजिलों से काला धुआं निकल रहा था और सातवीं मंजिल के फ्लैट से लपटें निकल रही थीं।

सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में राहगीरों को अपने मोबाइल फोन पर आग की तस्वीरें लेते हुए देखा जा सकता है। एक महिला द्वारा पास की इमारत से रिकॉर्ड किए गए वीडियो में एक आवाज़ सुनाई दे रही है, जिसमें कहा गया है, 'भगवान उनकी मदद करें!'

एक पुलिस अधिकारी ने कहा, 'सोसाइटी के सभी लोगों को बाहर निकाल लिया गया है, तथा बिजली और पीएनजी कनेक्शन जैसी सभी आवश्यक सेवाएं बंद कर दी गई हैं।' उन्होंने कहा कि दिल्ली विकास प्राधिकरण और दिल्ली नगर निगम को इमारत की संरचनात्मक स्थिरता का आकलन करने के लिए सूचित कर दिया गया है।

जो लोग इमारत से बाहर निकल पाए, उन्होंने अंदर फंसे लोगों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना की। छठी मंजिल पर मौजूद लोगों को

अमेरिका में भारतीयों के अपमान पर मोदी तोड़ें चुप्पी : कांग्रेस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका में भारतीयों को लगातार प्रताड़ित कर अपमानित किया जा रहा है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी खामोश हैं लेकिन अब उन्हें चुप्पी तोड़कर अमेरिका को बताना होगा कि भारतीय नागरिकों के साथ बदसलूकी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कांग्रेस ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि अमेरिका भारतवासियों को अपमानित करने से बाज नहीं आ रहा है। ताजा मामला अमेरिका के एयरपोर्ट का है, जहां एक भारतीय छात्र को जमीन पर पटका गया और किसी अपराधी की तरह उसके हाथ-पैर बांध दिए गये। उसके आत्मसम्मान को जूतों के नीचे रौंदने के बाद उसे फिर भारत वापस भेजा गया।

पार्टी ने कहा, "यह पहली बार नहीं हो रहा है बल्कि अमेरिका भारतीयों का इस तरह का अपमान हर बार करता रहा है। इससे पहले अमेरिका ने 600 से ज्यादा भारतीयों को बेड़ियों में जकड़कर देश वापस भेजा था, उनके सम्मान को कुचला गया लेकिन मोदी खामोश रहे। भारत की जमीन पर अमेरिकी सेना का हवाई जहाज उतारा गया, हमारी सुरक्षा और संप्रभुता को ललकारा गया-लेकिन मोदी के मुंह से एक शब्द नहीं निकला।"

इस बीच पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि श्री ट्रंप ने श्री मोदी को सामने बैठाकर टैरिफ ठोंकने की धमकी दी-मोदी खिलखिलाकर हंसते रहे हैं।

सेना ने कैप्टन विजयंत थापर सहित 65 शूरवीरों के परिजनों को सम्मानित किया

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सेना ने 26वें कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में करीब डेढ महीने तक चलने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत इस लड़ाई के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले योद्धाओं के परिजनों को सम्मानित करने की कड़ी में मंगलवार को कैप्टन विजयंत थापर (वीर चक्र) सहित 65 शूरवीरों के परिजनों को उनके घर जाकर सम्मानित किया।

सेना ने बताया है कि कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ के अवसर पर सेना सर्वोच्च बलिदान देने वाले योद्धाओं के घर-घर जाकर वीर सैनिकों के परिजनों तथा देशवासियों को भारत मां के इन वीर सपूतों के अदम्य साहस और उनके शौर्य की पराकाष्ठा के बारे में जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही सेना सभी वीर सेनानियों के घर जाकर सम्मानपूर्वक स्मृति चिन्ह भेंट करके उन्हें सम्मानित कर रही है।

सेना के अधिकारियों का एक दल कैप्टन थापर के नोएडा स्थित आवास पर पहुंचा और उनके माता पिता से मुलाकात कर उन्हें आभार पत्र तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

सेना के अधिकारी इसके अलावा यहां राजधानी दिल्ली में वीर चक्र से सम्मानित राइफलमैन अनसुया प्रसाद की पत्नी, जयपुर में हवलदार बश्ती राम की पत्नी, कुरूक्षेत्र में लांस नायक गुरमेल सिंह के माता पिता, राजस्थान के वैशाली नगर में नायक आनंद सिंह की पत्नी और देहरादून में सेना पदक से सम्मानित हवलदार हरिओम के परिजनों सहित 60 से अधिक योद्धाओं के परिजनों से मिले और उन्हें सम्मानित किया।

इस अवसर पर सेना की ओर से यह भावना भी व्यक्त की जा रही है कि वह अपने वीर साथियों को कभी नहीं भूलती और न कभी भूलेगी। सेना का कहना है, ''यह हमारा कर्तव्य और हमारी भावना है कि हम उनके परिजनों को बताएं कि हमारे वीर सेनानियों का बलिदान व्यर्थ नहीं गया है।

भारत में जुटे 60 देशों के वैज्ञानिक, शिक्षा मंत्री का आह्वान-विज्ञान को साझा करें

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

विश्व के 60 देशों के वैज्ञानिक व शोधकर्ता इन दिनों भारत में जुटे हैं। ये वैज्ञानिक पर्यावरण, स्वास्थ्य और पोषण समेत कई वैश्विक चुनौतियों पर ज्ञान साझा कर रहे हैं। ८

आईआईटी हैदराबाद, ग्लोबल यंग एकेडमी (जीवाईए), इंडियन नेशनल यंग एकेडमी ऑफ साइंस (आईएनवाईएएस) और इंडियन नेशनल साइंस अकादमी (आईएनएसए) के सहयोग से वैज्ञानिकों का यह अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया है।

यह सम्मेलन 14 जून तक चलेगा। यह कार्यक्रम वैश्विक चुनौतियों के लिए विज्ञान केंद्रित समाधानों पर सहयोग की पेशकश करेगा। इसके लिए दुनिया भर के वैज्ञानिकों की अगली पीढ़ी को एक साथ लाना इस कार्यक्रम की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस कार्यक्रम में 60 देशों के 135 अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि शामिल हुए हैं। इसके साथ-साथ 65 राष्ट्रीय प्रतिनिधि भी इसमें भाग ले रहे हैं, जिससे एक विविध और समावेशी मंच की स्थापना हो रही है।

मंगलवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने आईआईटी हैदराबाद में इस वैश्विक युवा वैज्ञानिक सम्मेलन और ग्लोबल यंग एकेडमी (जीवाईए) की वार्षिक आम बैठक की अध्यक्षता की। धर्मेंद्र प्रधान ने विश्व भर के युवा वैज्ञानिकों का स्वागत किया।

उन्होंने कहा कि यह समारोह केवल वैज्ञानिकों का सम्मेलन नहीं है, बल्कि यह आशा, उद्देश्य और साझा नियति का प्रतिनिधित्व करने वाला एक मंच है। प्रधान ने कहा कि भारत के लिए वसुधैव कुटुम्बकम -एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य -केवल एक नारा नहीं बल्कि जीवन जीने का तरीका है।

उन्होंने कहा कि भारत ऐसे विज्ञान में विश्वास करता है जो सहानुभूतिपूर्ण, नैतिक और न्यायसंगत हो। उन्होंने यह भी कहा कि विज्ञान को साझा किया जाना चाहिए और पेटेंट नहीं बल्कि साझेदारियों को अनिवार्य रूप से भविष्य को आकार देना चाहिए।

शंकर महादेवन देंगे संघ गीतों को नया सुर-ताल

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

पद्मश्री से सम्मानित सुप्रसिद्ध गायक शंकर महादेवन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के गीतों को नए सुर-ताल के साथ प्रश्तुत करेंगे। रा.स्व.संघ के सहस्त्राब्दि वर्ष अर्थात 100 साल पूरे होने पर यह उनकी तरफ से स्वयंसेवकों को अनूठा उपहार होगा। गत दिवस दिल्ली में आयोजित एक पुश्तक लोकार्पण समारोह में केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी ने यह जानकारी साझा की।

तानसेन के जीवन पर आधारित एक पुश्तक का लोकार्पण करते हुए नितिन गडकरी ने बताया कि जीवन में संगीत का अत्यंत असाधारण महत्व है। रा.स्व.संघ से जुड़ाव के दौरान उन्हें अनेक भाव-विभोर कर देने वाले देशभक्ति के गीतों ने प्रेरित किया था। संघ के दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर उपाख्य श्रीगुरूजी के निधन पर जो गीत गाया गया-शत नमन माधव चरण में, उस समय सभागार में ऐसा कोई नहीं था जिसकी आंखों से आसूं की धारा न बह निकली हो। गड़करी ने कहा कि संघ के स्वयंसेवकों के लिए डॉ. हेडगेवार और श्रीगुरूजी से लेकर देशभक्तिपूर्ण गीत किसने लिखे, यह एक इतिहास है जिसकी खोज करनी चाहिए। गड़करी ने बताया कि ऐसे ही अनेक गीतों को नए सुर और ताल के साथ नई पीढ़ी के सामने प्रश्तुत करने के लिए उन्होंने सुप्रसिद्ध संगीतकार शंकर महादेवन से आग्रह किया, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर लिया है। संघ के 100वें वर्ष में स्वयंसेवक उन्हीं प्रेरक गीतों को नए संगीत के साथ सुन सकेंगे।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि शंकर महादेवन दो वर्ष पूर्व ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना दिवस (विजयादश्मी, 24 अक्टूबर, 2023) के मुख्य अतिथि थे। उस दौरान उन्होंने नागपुर में आयोजित समारोह में कहा था, ''जब मैं स्वयंसेवकों को देखता हूँ, वो देश में कोई भी घटना हो, कोई भी प्रॉब्लम हो, जब जरूरत है वो भी पीछे खड़े होकर चुपचाप अपने देश के लिए काम करते हैं। अगर हम कहेंगे कि हमारा देश एक गीत है तो हमारे स्वयंसेवक उसके पीछे की सरगम हैं।

कपिल सिब्बल ने उठाए सवाल शेखर यादव मामले में सरकार और चेयरमैन पर साधा निशाना

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

समाजवादी पार्टी से राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने मंगलवार को इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज शेखर यादव के मामले को लेकर कई गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने प्रेसवार्ता में सरकार और राज्यसभा चेयरमैन पर निशाना साधते हुए पूछा कि क्या शेखर यादव को बचाने की कोशिश की जा रही है?

सिब्बल ने कहा कि शेखर यादव का बयान सार्वजनिक है और इसमें कोई दो राय नहीं है, फिर भी सुप्रीम कोर्ट की इन-हाउस प्रक्रिया को रोकने के लिए चेयरमैन ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) को पत्र लिखा।

सिब्बल ने कहा कि 13 फरवरी 2025 को राज्यसभा चेयरमैन ने बयान दिया था कि जज शेखर यादव के खिलाफ कार्रवाई का अधिकार संवैधानिक रूप से संसद और राष्ट्रपति के पास है। इसके बाद मार्च 2025 में राज्यसभा के महासचिव ने सीजेआई को पत्र लिखकर कहा कि सुप्रीम कोर्ट को इस मामले में आगे कार्रवाई नहीं करनी चाहिए, क्योंकि महाभियोग की प्रक्रिया संवैधानिक है और इसे संसद के जरिए ही आगे बढ़ाया जाएगा।

सिब्बल ने सवाल उठाया कि जब महाभियोग प्रश्ताव अभी स्वीकार भी नहीं हुआ है, तो इन-हाउस प्रक्रिया से इसका क्या संबंध है? उन्होंने कहा कि इन-हाउस प्रक्रिया इसलिए बनाई गई थी, ताकि अगर कोई हाई कोर्ट जज अपने संवैधानिक कर्तव्यों का पालन न करे, तो उसकी जांच हो सके।

सिब्बल ने जोर देकर कहा कि शेखर यादव का बयान सबके सामने है और उन्होंने इसे नकारा भी नहीं है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट को यह तय करना चाहिए था कि क्या ऐसा जज अपनी कुर्सी पर बैठने के लायक है। उन्होंने कहा कि महाभियोग की प्रक्रिया अलग है और इसका इन-हाउस जांच से कोई लेना-देना नहीं है। अगर सरकार को यह प्रक्रिया पसंद नहीं, तो इसे रद्द करने का अलग तरीका है।

पूजा टिकमाणी ने हाफ मैराथन गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड किया हासिल

✷ वेबवार्ता. अहमदाबाद ✷

सबसे तेज हाफ मैराथन का रिकार्ड बनाने वाली पूजा टिकमाणी को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के पुरुस्कार से सम्मानित किया गया है।

गुजरात में अहमदाबाद शहर की पूजा टिकमाणी ने मंगलवार को यूनीवार्ता को बताया कि 12 जनवरी को अहमदाबाद में आयोजित बीसफल हाफ मैराथन अहमदाबाद में 20 पाउंड का बैकपैक लेकर सबसे तेज हाफ मैराथन पूरी करने का गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड हासिल किया है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड ने उन्हें रविवार को इस पुरस्कार से सम्मानित किया।

उन्होंने बताया कि वह पेशे से एक व्यवसायी महिला होने के साथ-साथ दौड़ने की शौकीन है। उन्होंने अपने 45वें जन्मदिन पर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज कराकर वैश्विक मंच पर एक अनूठी छाप छोड़ी है। इस उम्र में यह उपलब्धि हासिल करके उन्होंने साबित कर दिया है कि उम्र सिर्फ एक संख्या है।

भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन अंतरिक्ष यात्री के रूप में इतिहास बनाने के लिए तैयार

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) का दौरा करने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री के रूप में इतिहास बनाने के लिए तैयार हैं।

वह भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के 11 जून को होने वाले एक्सिओम-4 मिशन का हिस्सा होंगे। ग्रुप कैप्टन शुक्ला सोवियत रूस के सोयुज अंतरिक्ष यान पर 1984 के ऐतिहासिक मिशन के 41 साल बाद अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले दूसरे भारतीय हैं। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की सुरक्षित और सफल यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं हैं। इसरो के अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन के मुताबिक एक्सिओम स्पेस का यह चौथा निजी अंतरिक्ष यात्री मिशन नासा के साथ भारत के बढ़ते अंतरिक्ष सहयोग में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इसरो का यह मिशन पहले मंगलवार को लांच किया जाना था, लेकिन सोमवार को घोषणा की कि प्रतिकूल मौसम के कारण अब एक्सिओम-4 मिशन का प्रक्षेपण 11 जून को शाम 5:30 बजे के लिए पुनर्निर्धारित किया गया है। एक्स-4 क्रू में भारत, पोलैंड और हंगरी के अंतरिक्ष यात्री शामिल हैं। तीनों देशों के लिए यह आईएसएस के लिए उनका पहला मिशन है। एक्सिओम स्पेस के अनुसार एक्स-4 चार दशकों में भारत के लिए दूसरा सरकारी प्रायोजित मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन भी है। इस मिशन में शामिल किये गए भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष की यात्रा पर 41 साल बाद जाने वाले दूसरे भारतीय हैं।

इससे पहले सोवियत रूस के सोयुज अंतरिक्ष यान पर 1984 में राकेश शर्मा को भेजा गया था। उनके साथ यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के प्रोजेक्ट अंतरिक्ष यात्री स्लावोज उज़्नान्स्की 1978 के बाद से दूसरे पोलिश अंतरिक्ष यात्री बनेंगे, जबकि टिबोर कापू 1980 के बाद से हंगरी के दूसरे राष्ट्रीय अंतरिक्ष यात्री होंगे। अनुभवी अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन एक्स-4 मिशन की कमान संभालेंगी।उनकी यह दूसरी वाणिज्यिक मानव अंतरिक्ष उड़ान है।

Also Read -गुरुग्राम विवि के कुलसचिव का डॉ. संजय अरोड़ा ने संभाला कार्यभार

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला एक्सिओम-4 अंतरिक्ष मिशन पर जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वायु सेना प्रमुख और भारतीय वायु सेना के सभी एयर वॉरियर्स ने उन्हें और एक्सिओम-4 के पूरे क्रू को शुभकामनाएं दी हैं।

संक्षिप्त समाचार

मध्य रेलवे को लोकल ट्रेनों में स्वचालित दरवाजे लगाने चाहिए : शरद पवार

मुंबई, एजेंसी। राकांपा (एसपी) अध्यक्ष शरद पवार ने लोकल ट्रेन से गिरकर यात्रियों की मौत को दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए सोमवार को मध्य रेलवे प्रशासन से अपील की कि वह भीड़भाड़ को देखते हुए लोकल ट्रेनों में स्वचालित दरवाजे लगाने जैसे उपाय लागू करे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में सोमवार की सुबह एक चलती ट्रेन से गिरकर कम से कम चार यात्रियों की जान चली गई और छह यात्री घायल हो गए। दुर्घटना दिवा और कोपर रेलवे स्टेशनों के बीच उस वक्त हुई जब यात्रियों से भरी ट्रेन कसारा जा रही थी। घटना संभवतः भीड़भाड़ वाली दो ट्रेनों के पायदान से लटके यात्रियों और उनके बैग के एक-दूसरे से टकराने के कारण हुई क्योंकि ट्रेनें विपरीत दिशाओं से गुजर रही थीं। पवार ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, ''मध्य रेलवे को समयसारणी अच्छी तरह से बनानी चाहिए और उसी के अनुसार महत्वपूर्ण मार्गों पर लोकल ट्रेनों की संख्या बढ़ानी चाहिए। यात्रियों की सुरक्षा के लिए आवश्यक उपाय तुरंत लागू किए जाने चाहिए। ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए लोकल ट्रेनों में स्वचालित दरवाजे लगाने का निर्णय तय समय पर लागू होने की उम्मीद है।'' उन्होंने कहा, ''कुछ यात्रियों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। मैं प्रार्थना करता हूं कि उनके स्वास्थ्य में जल्द ही सुधार हो।'' महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य रेलवे नेटवर्क पर हर दिन औसतन छह से सात यात्रियों की लोकल ट्रेनों से गिरकर मौत हो जाती है। पवार ने कहा, ''यह सर्वविदित है कि लोकल ट्रेनों में बढ़ती भीड़ इसका मुख्य कारण है। ऐसी दुर्घटनाओं के बाद यात्रियों को उनकी मौत के लिए दोषी ठहराना सही नहीं है। मध्य रेलवे प्रशासन को इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना को गंभीरता से लेना चाहिए।

तमिलनाडु के प्रसिद्ध मंदिर में मांस खाते पकड़ा गया शख्स, मचा हड़कंप

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के तिरुवन्नामलाई में सोमवार को उस वक्त तनाव फैल गया जब यहां के एक मंदिर में एक शख्स को मांसाहारी भोजन करते हुए पकड़ा गया। शख्स प्रसिद्ध अन्नामलाई मंदिर परिसर में कथित तौर पर चिकन बिरयानी खा रहा था। मामला सामने आने के बाद मंदिर और आस पास के इलाके में तनाव फैल गया। जानकारी के मुताबिक घटना मंदिर के बाहरी प्रांगण क्षेत्र में हुई। मंदिर में मौजूद कुछ लोगों ने शख्स को भोजन करते हुए देखा। इसके बाद लोगों ने मंदिर के अधिकारियों को इसकी सूचना दी। एक अखबार के मुताबिक शख्स से जब पूछताछ की गई तो उसने अजीबोगरीब दावा किया। उसने अधिकारियों को बताया कि उसने वेज बिरयानी का ऑर्डर दिया था, लेकिन गलती से उसके साथ चिकन का एक टुकड़ा पैक हो गया था। हालांकि अधिकारियों ने उसकी दलील नहीं सुनी और इसकी सूचना जिला पुलिस को दी। पुलिस ने शख्स से पूछताछ के लिए उसे हिरासत में ले लिया। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

जम्मू-कश्मीर के लिए ट्रेन पर्यटकों के साथ-साथ स्थानीय लोगों के लिए भी वरदान: फारूक अब्दुल्ला

जम्मू, एजेंसी। 'नेशनल कॉन्फ्रेंस' के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कश्मीर के लिए शुरू की गई नयी ट्रेन सेवा से स्थानीय लोगों तथा पर्यटकों दोनों को ही लाभ होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को श्री माता वैष्णो देवी कटरा और श्रीनगर के बीच दो विशेष रूप से डिजाइन की गई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। घाटी के लिए एक सीधी रेल लिंक का उद्घाटन एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है जिसका कश्मीर के विकास, व्यापार और पर्यटन पर दूरगामी प्रभाव पड़ने की संभावना है और देश के बाकी हिस्सों के साथ इसका चौतरफा एकीकरण होगा। अब इस पर 'नेशनल कॉन्फ्रेंस' के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कश्मीर के लिए शुरू की गई नयी ट्रेन सेवा से स्थानीय लोगों तथा पर्यटकों दोनों को ही लाभ होगा। अब्दुल्ला ने ट्रेन में चढ़ने से पहले संवाददाताओं से कहा, ''मुझे बहुत खुशी है कि मैं आज इस ट्रेन से कटरा तक यात्रा कर रहा हूं। यह हमारे लिए बेहद लाभकारी है।'' अब्दुल्ला के साथ उनकी पार्टी के कई सहयोगी भी थे। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कश्मीर को शेष भारत से जोड़ने वाली यह ट्रेन घाटी के लोगों के लिए एक भरोसेमंद परिवहन सेवा है। उन्होंने कहा, '' सड़क (श्रीनगर एवं जम्मू के बीच) कभी-कभी बंद हो जाती है।

शिवराज सिंह चौहान ने मुलाकातों के बाद बताया- किसानों ने नकली और घटिया कीटनाशकों तथा बीजों की बिक्री पर गहरी चिंता व्यक्त की

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान इन दिनों विकसित कृषि संकल्प अभियान (के तहत 29 मई से 12 जून तक विभिन्न राज्यों का दौरा कर रहे हैं। इस अभियान का उद्देश्य भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में कृषि क्षेत्र को सशक्त करना है। उन्होंने बताया कि आखिर देशभर के किसानों को किस बात की चिंता है। उन्होंने कहा कि किसानों ने नकली और घटिया कीटनाशकों तथा बीजों की बिक्री पर गहरी चिंता व्यक्त की है।

चौहान ने तेलंगाना यात्रा के दौरान कृषि की वर्तमान स्थिति और किसानों की प्रमुख समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि वह स्वयं किसान हैं और खेती से जुड़े रहते हैं, इसलिए समस्याओं से अनजान नहीं हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2014 के बाद खाद्यान्न उत्पादन में 40त्न से अधिक की वृद्धि हुई है। इसके बावजूद, उन्होंने स्वीकार किया कि कृषि क्षेत्र में अलग-अलग दिशा में काम हो रहा है, जिससे समन्वय की कमी महसूस होती है। इसी वजह से वन नेशन, वन एग्रीकल्चर, वन टीम का नारा दिया गया है।

कृषि के लिए जीएसटी काउंसिल जैसे ढांचे की जरूरत?

पूर्व में गठित एक समिति द्वारा कृषि के लिए जीएसटी परिषद जैसी एक स्थायी संस्था बनाने की सिफारिश की गई थी। इस पर चौहान ने कहा कि वह पहले ही कृषि मंत्रियों के साथ तीन बैठकें कर चुके हैं और हर फसल मौसम से पहले रबी और खरीफ पर विशेष सम्मेलन होता है। हालांकि उन्होंने माना कि इस बार के दौरे से जो अनुभव मिल रहे हैं, उनके आधार पर भविष्य में एक उपयुक्त ढांचा तैयार किया जा सकता है। तेलंगाना से लेकर महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश तक, किसानों ने चौहान को कई स्थानीय समस्याएं बताईं। कहीं जलवायु परिवर्तन के कारण आम की फसल को नुकसान हुआ, तो कहीं गन्ने की किस्मों में बीमारी की शिकायत मिली। अधिकांश किसानों ने बीज और कीटनाशकों की गुणवत्ता पर सवाल उठाया और इनके खिलाफ सख्त कानून की मांग की। कृषि मंत्री ने भी नकली और घटिया कीटनाशकों की बिक्री को रोकने के लिए कड़े कानून बनाने और संतुलित उर्वरक का इस्तेमाल सुनिश्चित करने के लिए मृदा स्वास्थ्य कार्ड के बेहतर कार्यान्वयन की बात भी कही।

शिवराज सिंह चौहान ने कृषि भूमि में कमी को एक चुनौती के रूप में स्वीकार किया, लेकिन इसके समाधान के रूप में सौर पैनलों के नीचे खेती, हाइड्रोपोनिक्स जैसी तकनीकों की बात की। उन्होंने कहा कि शहरीकरण और औद्योगिकीकरण के कारण भूमि घटेगी, लेकिन तकनीक से हम कम जमीन पर अधिक उत्पादन कर सकते हैं। इस सवाल पर उन्होंने कहा कि देश के समग्र विकास के लिए एक संतुलित दृष्टिकोण जरूरी है।

गुरुग्राम मेट्रो का होगा विस्तार, नए रूटों के सर्वे की तैयारी

गुरुग्राम एजेंसी। हरियाणा मास रैपिड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (एचएमआरटीसी) की तरफ से जिला गुरुग्राम में मेट्रो विस्तार को लेकर यातायात सर्वे करवाया जाएगा। सर्वे में यह जांच होगी कि किन-किन और क्षेत्रों को मेट्रो से जोड़ा जा सकता है। इसकी तैयारी शुरू कर दी गई है। एचएमआरटीसी ने रविवार को यातायात सर्वे को लेकर टेंडर आमंत्रित किए हैं। इसके तहत 7 जुलाई तक कंपनियों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। इसके पश्चात तकनीकी और वित्तीय बिड को खोलकर टेंडर आवंटित करने की प्रक्रिया को शुरू किया जाएगा। 4 महीने के अंदर यह सर्वे पूरा कर लिया जाएगा।

एचएमआरटीसी की योजना के मुताबिक, 176.99 किमी लंबा मेट्रो का जाल बिछाने की योजना बनाई जा चुकी है। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) के कंप्रेसिव मोबिलिटी मैनेजमेंट प्लान (सीएमएमपी) के तहत यह योजना बनी है। अब सीएमएमपी में रह गए क्षेत्रों को मेट्रो से जोड़ने के लिए यातायात सर्वे करवाने की योजना है। द्वारका एक्सप्रेसवे पर मेट्रो विस्तार होने से यहां रह रहे लाखों लोगों को फायदा मिलेगा। ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो से तो सेक्टर-101 में स्टेशन बनाकर द्वारका एक्सप्रेसवे को जोड़ा गया है, लेकिन द्वारका एक्सप्रेसवे पर मेट्रो विस्तार होने से लाखों लोगों को फायदा मिलेगा। स्थानीय निवासियों के मुताबिक, ओल्ड रेलवे रोड, न्यू रेलवे रोड, ओल्ड दिल्ली रोड, एमजी रोड पर मेट्रो के संचालन की आवश्यकता है। इसके चलने से यह क्षेत्र मेट्रो से जुड़ जाएगा। ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के तहत मिलेनियम सिटी सेंटर से लेकर ओल्ड गुरुग्राम के सेक्टर और कॉलोनियों से होते हुए उद्योग विहार और डीएलएफ साइबर सिटी तक मेट्रो चलाने की योजना के तहत टेंडर लगाया जा चुका है। इसके अलावा रेजागलां चौक से सेक्टर-21, द्वारका तक, नमो भारत ट्रेन के गुरुग्राम हिस्से में संचालन, गुरुग्राम और फरीदाबाद के बीच नमो भारत ट्रेन, वाटिका चौक से लेकर पचगांव तक मेट्रो, भौंडसी से लेकर रेलवे स्टेशन तक, गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड से मिलेनियम सिटी सेंटर होते हुए सेक्टर-पांच तक, मानेसर से पटौदी रोड होते हुए न्यू कॉलोनी मोड़ तक मेट्रो का संचालन करने की योजना एचएमआरटीसी की तरफ से बनाई जा चुकी है।

इंदौर कपल केस में ज्योतिषी की हर बात सही निकली

इंदौर, एजेंसी। सोनम सच में बेवफा है,इसका सबूत है इंदौर कपल केस। पहले शादी,फिर हनीमून और बाद में सुनियोजित ढंग से मर्डर। राजा रघुवंशी की मौत ने सोनम का वो चेहरा भी सबके सामने रख दिया जिससे उसके और राजा के परिवार वाले अंजान थे। सोमवार को इस हत्याकांड पर से जब पर्दा हटा,कल से लेकर आज तक सब शीशे की तरह साफ हो गया। अब तक कई एंगल इस मर्डर से संबंधित पता चल चुके हैं। इन सब के बीच सोनम के परिवार के जान-पहचान वाले एक ज्योतिष की खूब चर्चा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सोनम-राजा की गुमशुदगी और सोनम के सही सलामत होने की भविष्यवाणी इन्हीं ज्योतिषाचार्य ने की थी।

राजा रघुवंशी हत्यकांड के बाद अब सोनम के परिवार के करीबी इस ज्योतिषी खबरों में हैं। दरअसल, जब 23 मई के बाद राजा रघुवंशी और सोनम रघुवंशी शिलॉन्ग में गायब हुए तो सोनम के परिवार वालों ने अपने जानने वाले एक ज्योतिषी से संपर्क किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ज्योतिषी को सोनम रघुवंशी के परिवार वालों ने पूरी बात बताई। इसपर ज्योतिषी ने दो चीजें कही थीं। ज्योतिषी ने कहा कि सोनम और राजा रघुवंशी की गुमशुदगी के पीछे किसी औरत का हाथ है और दूसरा अगर आप लोग सोनम की तस्वीर घर की दीवारों पर उल्टी लटकाओगे,तो सोनम सकुशल मिल जाएगी।

ज्योतिषी की ये दो बातें बिल्कुल सटीक साबित हुईं। उनके कहने के बाद इस पूरे मामले की जब परतें खुलीं तो यह सच निकला कि इसके पीछे एक औरत का हाथ था। वह अलग बात है कि यह औरत और कोई नहीं बल्कि सोनम थी। दूसरी सोनम की उल्टी तस्वीर लगाने से सोनम सकुशल मिल जाने वाली बात भी सही निकली। यहां भी सोनम तो मिली पर एक कातिल के रूप में। वह अपने पति की कातिल है,रिश्तों की कातिल है,हर उस विश्वास और भरोसे की कातिल है। बता दें कि इस पूरे मामले से जुड़े लोगों कि गिरफ्तारी हो गई है।

जिला अधिकारी जसजीत कौर ने तालाब का किया निरीक्षण और पौधे रोपे

एनसीआर टुडे. झालू। जिला अधिकारी जसजीत कौर ने झालू में मनोकामना मन्दिर के निकट गुली जोहडी बाला तालाब तथा पुलिस चौकी के सामने निर्माणाधीन

लाइब्रेरी का निरीक्षण किया और पौधे रोपे। इसके बाद उन्होंने मलिन बश्ती में जन सुनवाई की। इस दौरान उन्होंने माइक से आवाज लगाकर जनता की समस्याओं को सुना तथा अवगत कराया। उसके उपरांत कान्हा पशुआश्रय का निरिक्षण किया। वही नगर पंचायत अध्यक्ष लोकेंद्र चौधरी ने जिला अधिकारी तथा अपर जिलाधिकारी को प्रतिक चिन्ह राम दरबार भेंट किया।

जनता की समस्याओं को सुना और दिए समाधान के निर्देश जिला अधिकारी ने जनता की समस्याओं को सुना और विभाग से संबंधित कर्मचारियों को कार्रवाई के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान करना उनकी प्राथमिकता है।राशनकार्ड और प्रधानमंत्री आवास से संबंधित समस्याओं का किया समाधान जन सुनवाई के दौरान जिला अधिकारी ने राशनकार्ड और प्रधानमंत्री आवास से संबंधित समस्याओं का समाधान किया।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे इन समस्याओं का समाधान करने के लिए विशेष ध्यान दें। इस अवसर पर डीएम के साथ एडीएम विनय कुमार, एसडीएम अवनीश कुमार, अधिशासी अधिकारी बिजेन्द्र सिंह पाल, चैयरमेन लोकेंद्र चौधरी, जुवाइंट मजिस्ट्रेट कुनाल रश्तौगी, वरिष्ठ लिपिक अनुज अग्रवाल और लिपिक अनिल शर्मा मौजूद रहे।

2034 में होगा 'वन नेशन, वन इलेक्शन'? खास योजना पर काम कर रही सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने 'वन नेशन, वन इलेक्शन' की महत्वाकांक्षी योजना को 2034 तक लागू करने का लक्ष्य रखा है। इस योजना के तहत लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराए जाएंगे। इस पहल का उद्देश्य बार-बार होने वाले चुनावों के कारण होने वाले खर्च को कम करना और शासन में निरंतरता लाना है।

इसके लिए संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 और केंद्रशासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 संसद में पेश किए जा चुके हैं। इस बदलाव के तहत, 2029 के आम चुनाव के बाद जो भी राज्य विधानसभाएं चुनी जाएंगी, उनका कार्यकाल कम कर दिया जाएगा, ताकि 2034 के आम चुनावों के साथ उन्हें सिंक्रोनाइज किया जा सके। %वन नेशन, वन इलेक्शन% के इस प्रस्ताव पर बनी संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के अध्यक्ष और राजस्थान के पाली से भाजपा सांसद पी. पी. चौधरी ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया कि 2027 के बाद जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं, उनका कार्यकाल छोटा रखा जाएगा। उदाहरण के तौर पर, 2032 में उत्तर प्रदेश में संभावित विधानसभा चुनाव सिर्फ दो साल के कार्यकाल के लिए हो सकते हैं, ताकि 2034 के लोकसभा चुनावों के साथ वहां की विधानसभा भी साथ में जाए।

संविधान संशोधन विधेयक के अनुसार, राष्ट्रपति 2029 के आम चुनावों के बाद लोकसभा की पहली बैठक की तारीख के आधार पर एक अधिसूचना जारी कर सकते हैं, जिसमें अगले आम चुनावों की तारीख तय की जाएगी। इसके बाद चुनी गई सभी राज्य विधानसभाएं उसी लोकसभा के पांच साल की अवधि तक ही सीमित रहेंगी।

अगर लोकसभा या कोई राज्य विधानसभा पांच साल पूरे होने से पहले ही भंग हो जाती है, तो नए चुनाव उसी अवधि की बची हुई अवधि के लिए होंगे। इसका उद्देश्य यह है कि अगला चुनाव उसी एकसमान चुनावी चक्र में आ जाए। हालांकि, विधेयक में यह भी प्रावधान है कि अगर चुनाव आयोग यह राय देता है कि किसी विशेष राज्य में उस समय चुनाव कराना संभव नहीं है, तो वह इस संबंध में राष्ट्रपति को सिफारिश कर सकता है। इसके बाद राष्ट्रपति उस राज्य के चुनाव को आगे की तारीख में कराने का आदेश दे सकते हैं। जेपीसी अध्यक्ष चौधरी ने यह भी बताया कि समिति के सदस्य अभी तक महाराष्ट्र और उत्तराखंड का दौरा कर चुके हैं। पैनल के अधिकांश सदस्यों में यह सहमति बन चुकी है कि वे सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों का दौरा करेंगे, जिससे अंतिम सिफारिश तैयार की जा सके। इसी कारण से समिति का कार्यकाल आगे बढ़ाया जा सकता है। ज्ञात हो कि दोनों विधेयकों को दिसंबर 2024 में लोकसभा में पेश किया गया था और इसके बाद उन्हें जेपीसी को सौंपा गया था। समिति इस विषय पर विभिन्न हितधारकों से विस्तृत सलाह-मशविरा कर रही है। 'वन नेशन, वन इलेक्शन' का प्रस्ताव भारत में लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं के चुनावों को एक साथ आयोजित करने की योजना है। वर्तमान में, भारत में अलग-अलग समय पर केंद्र और विभिन्न राज्यों के लिए चुनाव होते हैं, जिसके परिणामस्वरूप भारी वित्तीय और प्रशासनिक बोझ पड़ता है। इस प्रस्ताव के तहत, मतदाता एक ही दिन में केंद्र और राज्य सरकारों के लिए मतदान करेंगे, जिससे चुनावी प्रक्रिया को सरल और लागत प्रभावी बनाया जा सकेगा।

पहले सबके सामने फटकारा, अब माफी मांग रहे मंत्री जी, लेकिन मानने को तैयार नहीं डॉक्टर

पणजी, एजेंसी। गोवा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (जीएमसीएच) में स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे द्वारा एक वरिष्ठ डॉक्टर को सार्वजनिक रूप से फटकारे जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। शनिवार को हुई इस घटना के बाद राणे ने माफी मांगी, लेकिन जीएमसीएच के मुख्य चिकित्सा अधिकारी) डॉ. रुद्रेश कुट्टिकर ने इसे स्टूडियो माफी करार देते हुए अस्वीकार कर दिया। डॉक्टरों ने मंत्री से उसी वार्ड में सार्वजनिक माफी मांगने की मांग की है, जहां उनकी बेइज्जती हुई थी, और इसके लिए 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया है।

शनिवार को स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे ने जीएमसीएच के कैजुअल्टी वार्ड का औचक दौरा किया। इस दौरान उन्हें एक शिकायत मिली कि एक बुजुर्ग मरीज को विटामिन बी12 का इंजेक्शन देने से मना किया गया और डॉ. कुट्टिकर ने कथित तौर पर मरीज के साथ दुर्व्यवहार किया। वायरल हुए एक वीडियो में राणे को कुट्टीकर को निलंबित करने का आदेश देते हुए और उन्हें बीच में न बोलने के लिए कहते हुए सुना जा सकता है। राणे को यह कहते हुए सुना गया कि आप अपनी जुबान पर काबू रखना सीखें, आप एक डॉक्टर हैं। मैं आमतौर पर अपना आपा नहीं खोता, लेकिन आपको खुद से व्यवहार करना होगा। चाहे आप कितने भी बोझिल क्यों न हों, आपको मरीजों के साथ ठीक से व्यवहार करना होगा। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद चिकित्सा समुदाय और विपक्षी दलों ने राणे की कड़ी आलोचना की।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की गोवा शाखा ने मंत्री के आचरण की निंदा की, इसे अपमानजनक कृत्य बताया और निलंबन को तत्काल रद्द करने की मांग की। उन्होंने एकतरफा कार्रवाई के बजाय निष्पक्ष जांच की आवश्यकता पर भी जोर दिया। बढ़ते दबाव के बीच मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने स्थिति को शांत करने के लिए कदम उठाया और निलंबन आदेश को रद्द कर दिया। 600 से अधिक डॉक्टरों, सलाहकारों और इंटर्न्स ने सोमवार को अस्पताल परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। गोवा एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स (जीएआरडी) और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने राणे के व्यवहार को अपमानजनक बताया और मांग की कि मंत्री कैजुअल्टी वार्ड में आकर डॉ. कुट्टिकर से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। डॉ. कुट्टिकर ने कहा, मेरी बेइज्जती वायरल हुई, माफी भी उसी तरह सार्वजनिक होनी चाहिए। जीएआरडी ने यह भी मांग की कि अस्पताल के मरीज देखभाल क्षेत्रों में वीडियोग्राफी पर प्रतिबंध लगाया जाए और भविष्य में किसी स्वास्थ्यकर्मी के साथ ऐसा व्यवहार न हो। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि 24 घंटे के भीतर माफी नहीं मिली, तो वे हड़ताल पर जाएंगे, जिससे चिकित्सा सेवाएं ठप हो सकती हैं।

मंत्री की माफी और विवाद: विश्वजीत राणे ने पहले कहा था कि वह मरीज के लिए खड़े होने के लिए माफी नहीं मांगेंगे, लेकिन बढ़ते दबाव के बाद उन्होंने सोमवार को सोशल मीडिया और एक क्षेत्रीय न्यूज चैनल पर माफी मांगी। राणे ने कहा, मेरे इरादे सही थे।

नगीना में ईदमिलन कार्यक्रम हर वर्ष की भाति इस वर्ष भी आयोजित

एनसीआर टुडे. नगीना। नगर में ईद उल अजहा का त्योहार हर्षोल्लास से मनाया गया। ताहिरा खलील अध्यक्ष नगर पालिका परिषद नगीना व शेख़ शाहनवाज़ ख़लील ज़िला अध्यक्ष चेयरमैन संघ बिजनौर के मोहल्ला शाहजहीर स्थित केम्प कार्यालय पर ईद मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मुस्लिम समुदायों के लोग शामिल हुए।

शेख शाहनवाज खलील ने कहा कि क़ुरबानी अल्लाह को प्यारी है। इसलिये तीन दिनों तक यह त्योहार मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित बकरा ईद मिलन समारोह में सभी कौम के लोगों की भागीदारी रही। इस अवसर पर ईदुल अजहा पर बनने वाले विशेष पकवानों का भी प्रबंध किया गया था। इस अवसर पर शहर व पड़ोस से आये ग्रामीण समेत भारी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोगों की भागीदारी रही।

इस मोके पर काज़ी अरशद मसूद उर्फ़ शंन्नु, इरशाद मुलतानी, मो० ओवैस, मुफ़्ती अवैस अकरम, इकबाल कुरैशी, इरफ़ान अंसारी, ज़हीर अंसारी, गुड्डू अंसारी, शेख जमशेद, सय्यद ज़ुबैर ज़ैदी, इस्लाम अल्वी, डॉ०शहबाज़, आफताब मुलतानी, जुनैद कुरैशी, अफ़ज़ाल कुरैशी, शेख शददन, अंजार सैफी, ज़ाहिद उर्फ़ ज़द्दू, अब्दुल रऊफ उर्फ़ बाबू, मुनीर आलम,हाफ़ज़ि ज़ाकिर हुसैन, खुर्शीद अहमद ठेकेदार, एजाज़ अहमद उर्फ़ गुड्डू, डॉ खालिद परवेज़, मो परवेज़, मोह शुएब, पाशा अंसारी,ज़हीर पहलवान,मुअज़्ज़म हुसैन रियाज़ी,शेख नौशाद, फ़राज़ अहमद, आरिफ सिद्दीकी, आलमगीर खलीफा, इरफ़ान अंसारी, मास्टर अली हसन, आदि शहर के तमाम लोग मौजूद रहे।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार जीजा-साली घायल

✸ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✸ । लोनी बार्डर थाना क्षेत्र के बेहटा गांव से घर लौटते समय तेज रफ्तार ट्रक ने एक माह पूर्व बाइक पर जा रहे जीजा और साली को टक्कर मार दी। हादसे में युवक के दोनों कूल्हे व युवती के हाथ की हड्डी टूट गई। पीड़ित की मां की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। दिल्ली जौहरीपुर के शनि बाजार में मधु अपने पुत्र अभिषेक के साथ रहती है। उन्होंने बताया कि बेटे की ससुराल बेहटा हाजीपुर में है। पिछले माह 9 मई को बेटा ससुराल में गया था। रात में करीब आठ बजे वह अपनी साली बीनू के साथ घर आ रहा था। जब दोनों कबूल नगर चौक के पास पहुंचे तो पीछे से तेज रफ्तार में आये ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। हादसे में बेटा के दोनों कूल्हे की हड्डी टूट गई जबकि साली के उल्टे हाथ में फ्रैक्चर हो गया। लोगों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस व परिजनों ने दोनों को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया। उन्होंने घटना में शामिल ट्रक का नंबर पुलिस को देकर कार्रवाई की मांग की है।

बाइक सवार दो बदमाशों ने युवक से मोबाइल छीना

✸ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✸ । लोनी ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र के खजुरी पुश्ता रोड पर बाइक सवार दो बदमाशों ने पांच जून को रात में बाइक टैक्सी पर जा रहे व्यक्ति का मोबाइल छीन लिया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। खतौली जिला मुजफ्फरनगर निवासी अनस सिद्दीकी ट्रोनिका सिटी स्थित केपीआरएस सिटी में नौकरी करते है। उन्होंने बताया कि पांच जून को रात करीब सवा नौ बजे कार्यालय से घर जाने के लिए बाइक टैक्सी बुक की थी। जब वह बाइक पर खजूरी पुश्ता मार्ग स्थित दुगरावली गांव के सामने पहुंचे तो पीछे से तेज गति में बाइक पर आए दो बदमाश उनके हाथ से मोबाइल छीन कर फरार हो गये। उन्होंने बदमाशों का पीछा किया लेकिन तब तक बदमाश उनकी आंखों से ओझल हो गये थे। अगले दिन उन्होंने ई एफआईआर कर पुलिस को मामले की जानकारी दी।

हादसे में घायल महिला की उपचार के दौरान मौत

✸ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✸ । मोदीनगर में दिल्ली-मेरठ मार्ग पर बस स्टैंड के पास एक सप्ताह पूर्व क्रेन की चपेट में आकर घायल हुई 80 वर्षीया बुजुर्ग महिला ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। दो जून को दिल्ली-मेरठ मार्ग पर बस स्टैंड के सामने सड़क पार कर रहीं क्रांति देवी निवासी आन्नदीपुरा कॉलोनी को क्रेन ने कुचल दिया था। गंभीर हालत में उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां सोमवार देर रात उनकी मौत हो गई। पुलिस क्रेन चालक की तलाश कर रही है।

मलबे का ढेर मिलने पर जुर्माना लगाया

✸ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✸ । ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की टीम ने मंगलवार को सेक्टर-36 का निरीक्षण किया। टीम को कई स्थानों पर सड़क के किनारे मलबे का ढेर मिला। ठेकेदार पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। इस रकम की कटौती अगले भुगतान से की जाएगी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के महाप्रबंधक स्वास्थ्य आरके भारती और वरिष्ठ प्रबंधक चरण सिंह ने ठेकेदार को सेक्टरों से नियमित रूप मलबा उठवाने और रोस्टर जारी करने को कहा। दोबारा निरीक्षण के दौरान मलबे का ढेर मिला तो ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट किया जाएगा। सेक्टरों का निरीक्षण अभियान आगे भी जारी रहेगा। ग्रेटर नोएडा में निर्माण एवं विध्वंस मलबा को उठाने के लिए हेल्पलाइन नंबर 9870308811 भी जारी किया गया है। यह राइज इलेवन कंपनी का नंबर है।

अवैध ठेली और पटरी वालों को हटाया

✸ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✸ । प्राधिकरण के अर्बन सर्विसेज विभाग की टीम ने टेकजोन-4 में अवैध रूप से लग रही ठेली और पटरी वालों को हटाया। वरिष्ठ प्रबंधक मनोज कुमार सचान के नेतृत्व में टीम टेकजोन-4 की मेफेयर सोसाइटी की शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में पहुंची। यहां सामने अवैध रूप से लग रही एक दर्जन ठेली और पटरी वालों को हटाया। सभी को चेतावनी भी दी गई कि दोबारा अवैध रूप ठेली लगाने पर जब्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी। टीम ने सेक्टर ईकोटेक-3 में सड़क पर कार्य कर रहे फैब्रिकेटर को भी हटाया।

रास्ता भटकी बुजुर्ग महिला को परिवार से मिलाया

✸ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✸ । बिहार से ग्रेटर नोएडा में अपने बेटे के पास आई बुजुर्ग महिला रास्ता भटक गई। कासना कोतवाली पुलिस ने बुजुर्ग महिला की मदद की और उसके बारे में जानकारी जुटाकर सकुशल बेटे के घर पहुंचाया। बुजुर्ग महिला के परिवार ने पुलिस का आभार व्यक्त किया। कासना कोतवाली प्रभारी धर्मेंद्र शुक्ला ने बताया कि पुलिस को मंगलवार की सुबह 75 वर्षीय महिला सिरसा गोल चक्कर के समीप अकेले भटकते दिखाई दी। पुलिस ने महिला से घर का पता पूछा तो महिला कुछ नहीं बता सकी। महिला को बिहार के घर का पता था, जबकि महिला यहां सेक्टर ज्यू कन स्थित जनता फ्लैट में रहने वाले अपने बेटे के पास आई हुई थी। घर का रास्ता भटककर सिरसा की तरफ पहुंच गई। पुलिस महिला को थाने लेकर आई और आराम से बैठा कर घर के बारे में पूछा। इसके बाद पुलिस ने महिला से जानकारी लेकर बिहार में संपर्क किया।

खेत पर जा रहे युवक के साथ मारपीट

✸ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✸ । दादरी कोतवाली क्षेत्र के दतावली गांव में युवक ने मारपीट करने का आरोप लगाया है। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी ने उसके साथ मारपीट की और कनपटी पर पिस्तौल लगाकर धमकी दी। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक दतावली गांव में आबिद परिवार के साथ रहता है। आबिद ने पुलिस को बताया कि बीते गुरुवार को वह घर से खेत की तरफ जा रहा था। इसी बीच रास्ते में संकेत ने उसे रोक लिया और उसके साथ मारपीट कर कपड़े फाड़ दिए। उसने कनपटी पर पिस्तौल लगाकर धमकी भी दी। ग्रामीणों ने किसी तरह उसको बचाया। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच जुटी है।

बिल्डर कंपनी के निदेशक समेत पांच पर केस

✸ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✸

ग्रेनो वेस्ट में आवासीय परियोजना बना रहे बिल्डर पर निवेशक ने रुपये लेने के बाद भी फ्लैट रद्द करने का आरोप लगाया है। आरोप है कि बिल्डर बायर्स एग्रीमेंट पर भी हस्ताक्षर नहीं किए गए। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने बिल्डर कंपनी के निदेशक समेत पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। ग्रेनो वेस्ट के सेक्टर-16बी में रहने वाले दीपक शर्मा ने न्यायालय को बताया कि उनके पिता ने वर्ष 2021 में बिल्डर की परियोजना में फ्लैट बुक किया था। पीड़ित के पिता ने बिल्डर को 12 लाख 98 हजार 600 रुपये चेक के माध्यम से भुगतान कर फ्लैट की बुकिंग की थी। इसके बाद पीड़ित से बिल्डर बायर्स एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर करा लिए गए, लेकिन बिल्डर द्वारा इस एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर नहीं किए गए। कुछ दिन बाद पीड़ित को पता चला कि उनका फ्लैट रद्द कर दिया गया है। इस संबंध में पीड़ित ने बिल्डर से मुलाकात की। आरोप है कि पीड़ित बाप-बेटे को बंधक बनाकर पीटा गया।इसकी सूचना पुलिस को दी गई। इसके बाद दोनों को छोड़ा गया, लेकिन पुलिस ने इस मामले में बिल्डर के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। मजबूरन पीड़ित को कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा। अब न्यायालय के आदेश पर बिसरख कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मामले की जांच कार्रवाई की जाएगी।

सूटकेस में महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी

✸ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✸

लोनी के थाना अंकुर विहार इलाके बेहटा हाजीपुर में बंधला जाने वाले नहर रोड़ के किनारे एक सूटकेस में शव मिलने की सूचना पुलिस कंट्रोल रूप को मिली है। सूचना के आधार पर पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने बताया कि सूटकेस के अंदर लगभग 25 वर्ष की अज्ञात महिला जोकि सिंदूर और बिछिया पहने है जिससे स्पष्ट होता है कि वह हिन्दू है। अज्ञात महिला का शव बरामद हुआ पुलिस द्वारा उक्त शव को कब्जे में ले करके पंचायतनामा भर करके पोस्टमार्टम हेतु डेड बॉडी भेजी गई है। तथा उक्त अज्ञात महिला के शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। शीघ्र ही घटना का अनावरण कर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया जाएगा।

चार इंस्पेक्टर इधर से उधर दो थानों के प्रभारी बदले

✸ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✸

डीसीपी रूलर जोन सुरेंद्रनाथ तिवारी द्वारा कानून व्यवस्था के मध्य नजर मंगलवार देर शाम पुलिस कमिश्नरेट ग्रामीण जोन के चार थाना प्रभारियों को किया इधर से उधर। दो को थानों का प्रभार सोपा, तो दो को कार्य में लापरवाही बरतने पर लाइन का रास्ता दिखा दिया गया। आईजीआरएस सेल प्रभारी नरेश कुमार शर्मा को आईजीआरएस सेल से हटकर नई तैनाती देते हुए मोदीनगर थाने का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है। जब की मोदीनगर थाना प्रभारी प्रशांत त्यागी कार्य में लापरवाही बरतने को लेकर मोदीनगर थाने का चार्ज से हटाकर उनको पुलिस लाइन भेजा दिया है। वहीं दूसरी और प्रभु दयाल प्रभारी निरीक्षक थाना निवाड़ी को भी कार्य में लापरवाही बरतने को लेकर थाने के प्रभार से मुक्त करते हुए लाइन भेजा गया है। उनके स्थान पर अतिरिक्त निरीक्षक थाना नंदग्राम जयपाल सिंह रावत को निवाड़ी थाने का प्रभार दिया गया है। जयपाल सिंह रावत तेज - तर्रार, ईमानदार व कर्तव्य निष्ठ अधिकारी माने जाते हैं। इनको निवाड़ी में तैनाती मिलने से इस क्षेत्र में कानून व्यवस्था में सुधार के साथ-साथ अपराधों पर भी अवश्य अंकुश लगेगा। जबकि नरेश कुमार शर्मा भी एक मेहनती और कर्मठ पुलिस अफसर इनको मोदीनगर का प्रभारी बनने से इस क्षेत्र में शांति कायम होने के साथ-साथ अपराध पर भी अंकुश लगेगा।

दो भाइयों पर धारदार हथियार से हमला

✸ एनसीआर टुडे. नोएडा ✸

छिजारसी गांव में पांच जून की रात कंपनी से घर लौट रहे दो भाइयों पर छह से अधिक लोगों ने धारदार हथियार से हमला कर दिया। इससे दोनों पीड़ित घायल हो गए। पुलिस ने उनकी शिकायत पर चार नामजद और कुछ अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कराया है। सेक्टर-63 थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि छिजारसी में हसीन अपने भाई इमरान के साथ रहते हैं। दोनों एक कंपनी में काम करते हैं। पांच जून की रात करीब 12 बजे दोनों कंपनी से काम करके घर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में मोहित, दानिश, मनीष, समरजीत और कुछ अज्ञात लोग मिल गए। सभी आरोपी शराब पी रहे थे। आरोपियों ने बिना वजह गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध किया तो आरोपियों ने उनसे मारपीट शुरू कर दी। पीड़ित का कहना है कि आरोपियों ने धारदार हथियार से भाई इमरान के सिर पर हमला कर दिया। इस घटना में इमरान के दो दांत भी टूट गए। शोर सुनकर लोग एकत्र हो गए। इस पर आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। स्थानीय लोगों ने दोनों भाइयों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां हसीन को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे, लेकिन इमरान का अब भी उपचार चल रहा है। थाना प्रभारी निरीक्षक का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पौधे रोपना और उनकी देखभाल करना हम सभी की जिम्मेदारी

✸ एनसीआर टुडे. रेहड़ ✸

विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत जिलाधिकारी द्वारा गठित टीम 2 द्वारा सोमवार को क्षेत्र के गांव फतेहपुर धारा, छजमलवाला और केहरीपुर जंगल में किसान गोष्ठियों का आयोजन किया गया जिसमें कृषि विभाग के तकनीकी अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। आयोजित गोष्ठियों में कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को कृषि विभाग में चल रही समस्त योजनाओं विशेषकर प्राकृतिक खेती, पीएम किसान सम्मान निधिवन योजना, सोलर पंप, यंत्रीकरण, फार्मर रजिस्ट्री तथा फसल बीमा के बारे में जानकारी दी गई। कृषि विज्ञान केंद्र नगीना की प्रभारी डॉ शकुंतला गुप्ता द्वारा मशरूम की खेती एवं स्वयं सहायता समूह के बारे में जानकारी दी गई जबकि डॉ अजयवीर सिरोही कृषि वैज्ञानिक द्वारा पशुपालन, पोषण व स्वच्छता एवं कृषि वैज्ञानिक डॉ पिंटू कुमार द्वारा खरीफ सीजन में बोई जाने वाली फसलों के विषय में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। इस दौरान कृषि विज्ञान केंद्र नगीना की प्रभारी डॉ शकुंतला गुप्ता, कृषि वैज्ञानिक डॉ पिंटू कुमार, कृषि वैज्ञानिक (आईसीएआर) डॉ अजयवीर सिरोही आदि अधिकारी और किसान मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत 29 मई से 12 जून 25 तक जिलाधिकारी द्वारा गठित कृषि वैज्ञानिकों की तीन टीमों द्वारा जनपद के विभिन्न गावों में गोष्ठियों का आयोजन कर केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारियां दी जा रही है।

सदगुरु महाराज संजय की ट्रैक्टर ट्राली द्वारा शोभायात्रा निकाली

✸ एनसीआर टुडे. धामपुर ✸

क्षेत्र के गांव मिमला में मानव सेवा आश्रम लोक परलोक सुधार आध्यात्मिक सत्संग के सभी श्रद्धालुओं ने सतगुरु संत श्री संजय जी महाराज की ट्रैक्टर ट्राली के द्वारा शोभायात्रा निकाली गई जिसमें हजारो श्रद्धालुओं ने भाग लिया। गांव के ही मास्टर यशवंत सिंह के घर से मानव सेवा आश्रम लोक परलोक सुधार आध्यात्मिक सत्संग के सभी भक्तों द्वारा सतगुरु संत श्री संजय जी महाराज कुम्हारपुरा वाले गुरु जी की शोभायात्रा का आयोजन किया गया। गांव के हर गली चौराहे से निकलती हुई सत्संग पंडाल पर पहुंची। इस दौरान महिलाओं और पुरुषों और बच्चों ने जमकर फूल बरसाए जय-जय सतगुरु जय जय सदगुरु, हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की जय जयकारों से सारे गांव को गुंजा दिया और गुरु जी के भजनों से सारे गांव को गुरुमय भक्त बना दिया और सभी भक्तों ने सदगुरु संत श्री संजय जी महाराज की अमृतवाणी को बड़े ध्यान से सुना भक्तों ने गुरुजी के भजनों से सारे माहौल को गुरु में भक्त बना दिया उसके बाद हजारों गुरु भक्तों ने विशाल भंडारे में भोजन प्रसाद ग्रहण किया। गुरु जी की शोभायात्रा में हर्ष माला, मोहन, निधि, आशुतोष, पुष्पा देवी, देवेश आदि हजारों की तादाद में पुरुष बच्चे और महिलाएं शामिल रही।

श्री श्याम अमृत महोत्सव 15 को निकाली जाएगी भव्य निशान यात्रा

✸ एनसीआर टुडे. नहटौर ✸

15 जून को नगर के मौहल्ला छापेग्रान में श्री श्याम लखदातार दीवाना मंडल नहटौर द्वारा श्री श्याम अमृत महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। प्रातः 10 बजे हल्दौर चौराहे से बाबा खाटू श्याम जी की भव्य निशान यात्रा निकाली जाएगी। उक्त आशय की जानकारी देते हुए सौरभ सैनी, बंटी सैनी व नीशू सैनी ने बताया कि रात्रि में श्री श्याम लखदातार दीवाना मंडल की ओर से आयोजित श्री श्याम अमृत महोत्सव में दिल्ली पालम की प्रिया व प्राची (सिस्टर्स), मुरादाबाद के अंकित अंजाना तथा लाडला खाटू वाले का पं. विकास वशिष्ठ बाबा खाटू श्याम का गुणगान करेंगे।

युवा आईएएस जुनैद अहमद एक बच्ची के पिता बने, परिवार में खुशी का माहौल

शहर के रसूखदार लोगो ने पत्रकारों ने दी मुबारकबाद

✸ एनसीआर टुडे. नगीना ✸

नगर के वरिष्ठ अधिवक्ता नवाब शाहिद के होनहार पुत्र 2019 बेंच के युवा आईएएस जुनेद अहमद जिनकी वर्तमान में तैनाती जिला झांसी में सीडीओ के पद पर है। 2 जून को युवा आईएएस जुनेद अहमद के घर में एक बच्ची का जन्म हुआ। बच्ची के जन्म होने से घर तथा परिवार में खुशी का माहौल है। बच्ची के पिता आईएएस जुनैद अहमद तथा उनकी पत्नी डॉक्टर नाहिद ने बताया कि उन्होंने अपनी बच्ची का नाम माहिरा मिर्जा रखा है। इस खुशी के माहौल में उनके घर पर बधाई देने वालों का सिलसिला लगातार जारी है। बधाई देने वालों में पूर्व राज्य मंत्री सपा विधायक मनोज पारस, जिला बिजनौर चेयरमैन संघ के जिला अध्यक्ष शेख शाहनवाज खलील, हाजी जुल्फिकार आलम, सपा नेता हाजी रोशन, भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष अरविंद गहलोत, भारतीय प्रेस क्लब एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट वसीम वारसी व पत्रकार तनवीर अंसारी लियाकत मालिक राकेश वर्मा अंकुर कुमार अक्षय चौहान खालिद अंसारी फहीम अंसारी रवि मालवा हाजी तंजील आलम, कुंवर कृष्ण बलदेव सिंह उर्फ संजय सिंह प्रमोद चौहान, खालिद निसार एडवोकेट, हाजी खुर्शीद कुरेशी, शेख मोहम्मद अंजार, फारूक अंसारीयुवा समाजसेवी शेख जमशेद, शददन ठेकेदार, , सय्यद आदिल, पत्रकार राशिद उस्मानी, फिरोज शेख, युवा समाजसेवी आरिफ उस्मानी, हनीफ मंसूरी, परवेज मिर्जा, सैयद आसिफ अली, मास्टर अली हसन उस्मानी, परवेज आदिल माही,एहतिशाम ऊरूफ राजा, आदि शामिल रहे। वरिष्ठ अधिवक्ता नवाब शाहिद ने इस खुशी के माहौल में उन्हें बधाई देने वालों का तहे दिल से आभार व्यक्त किया है।

कबीर साहेब के आदर्शों पर चल करें राष्ट्र का उत्थान: डॉ विजेंद्र

धारूवाला में भुइयार समाज ने मनाया कबीर साहेब का 628 वा जन्मोत्सव

✸ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✸

संत शिरोमणि कबीर साहेब के 628 वे प्राकट्य दिवस पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। इस मौके पर आयोजित विचार गोष्ठी में उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला गया। मुख्य वक्ता डॉ विजेंद्र सिंह ने कहा कि वर्तमान में कबीर साहेब के आदर्शों को अपनाने की जरूरत है। गांव धारूवाला स्थित भुइयार समाज धर्मशाला पर संत शिरोमणि कबीर साहेब के जन्मोत्सव पर आयोजित विचार गोष्ठी के मुख्य वक्ता डॉ विजेंद्र सिंह ने कहा कि कबीर साहेब के आदर्शों पर चलकर समाज व राष्ट्र का विकास किया जा सकता है। वर्तमान में उनके आदर्शों को अपनाने की जरूरत है। भुइयार एजुकेशनल वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष मास्टर राजेंद्र कुमार भुइयार कबीर साहेब के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कबीर साहेब की आयु 120 वर्ष बताई जाती है पर आज भी कबीर साहेब लोगों के दिलों में बसे हैं। उन्होंने अंधविश्वास को समाप्त करने के लिए अनेक कार्य किये लोग उन्हें सदी का महानायक कहते हैं। उन्होंने कहा कि कबीर साहब ने जो लिखा उसका अनुपालन करने की जरूरत है। इंजीनियर देवेंद्र कुमार भुइयार ने कबीर साहब के दोहों के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि कबीर साहब ने सभी वर्गो के लोगों को जोड़ने की कोशिश की। संजीव कुमार भुइयार ने कहा कि कबीर साहेब संत गुरु नानक के समकालीन थे। उन्होंने समाज में जाति व धर्म के बंधन को तोड़ने का काम किया। उन्होंने कहा कि कबीर साहब का दोहा रंग अध्यात्म पर आधारित है। समाज को जागरूक करने के लिए उनकी कृति का अध्ययन करना बेहद जरूरी है। मास्टर अमित कुमार भुइयार ने कहा कि समाज के विकास में लिए अच्छी शिक्षा जरूरी है। बच्चों को जागरूक करने की जरूरत है। अन्य वक्ताओं ने कहा कि समाज के बच्चों को शिक्षा से जोड़कर समाज व राष्ट्र के विकास में भागीदारी करें। किसी भी समाज का उत्थान शिक्षा के बिना होना संभव नहीं है। वक्त आने उनके आदर्शों को अपनाने पर जोर दिया। इससे पूर्व कबीर साहेब के चित्र पर दीप प्रज्वलित किया तथा श्रद्धालुओं ने पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। राम गोपाल सिंह की अध्यक्षता में आयोजित विचार गोष्ठी में कोमल सिंह भुइयार,छत्रपाल सिंह, शगुन कुमार ,धरमा सिंह,दयाराम सिंह भुइयार, सुमित भुइयार,बादाम सिंह ,नेपाल सिंह, जयंत सिंह ,अश्वनी कुमार ,वीरेंद्र कुमार, लोकेश कुमार भुइयार, लाखन सिंह ,अवी सिंह ,अनंत कुमार भुइयार, मलखान सिंह, सुदेश कुमार, पवन सिंह ,शगुन कुमा रेशा भुइयार, अनंत भुइयार, जयंत भुइयार आदि ने विचार रखे संचालन संजीव कुमार भुइयार ने किया।

भीषण गर्मी में राहत की पहल: प्रेस क्लब ने रेल यात्रियों को पिलाया ठंडा पानी

✸ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✸

जब सूरज आसमान से आग बरसा रहा हो, गर्म हवा सांसों को तकलीफ दे रही हो, तब कोई ठंडे पानी का गिलास थमा दे तो ऐसा प्रतीत होता है कि झुलसती गर्मी में आत्मिक ठंडक पहुंच दी हो। मंगलवार सुबह कुछ ऐसा ही दृश्य स्योहारा रेलवे स्टेशन पर देखने को मिला, जब प्रेस क्लब स्योहारा ने भीषण गर्मी में मुसाफिरों के लिए शीतल जल सेवा अभियान चलाया। सुबह 6 बजे ही क्लब के सभी सदस्य और संरक्षक रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर पहुँच गए। कोई हाथ में पानी के पाउच लिए था, कोई ट्रेनों के डिब्बों में चढ़कर मुसाफिरों तक पहुँच रहा था। चेहरे पसीने से भरे थे, मगर आंखों में सेवा का जुनून था। इस अभियान का नेतृत्व कर रहे थे क्लब के संरक्षक डॉ. मनोज कुमार वर्मा, जिनके साथ संरक्षक कांता प्रसाद पुष्पक, अध्यक्ष शारिक जैदी, महामंत्री नजम सिद्दीकी, कोषाध्यक्ष मोहम्मद आलम, मुहम्मद दिलशाद, इमरान मंसूरी, सर्वेंद्र रस्तोगी, मोहित रस्तोगी, दानिश वारसी, प्रशांत रस्तोगी, फहीम खान, नैपाल सिंह आदि सदस्य मौजूद थे। विशेष रूप से ताबिश सिद्दीकी और सलीम कुरैशी, का भी विशेष सहयोग रहा ,प्रेस क्लब द्वारा मुसाफिरों को सूबेदारगंज-देहरादून एक्सप्रेस (14113), बनमखी-अमृतसर एक्सप्रेस (14617) और सहारनपुर-मुरादाबाद पैसेंजर (64566) में जल का वितरण किया गया। इस मौके पर थके-मांदे यात्री ट्रेन की खिड़कियों से मुस्कुरा कर 'धन्यवाद' देते हुए देखे गये।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा (ई-प्रोक्यूरमेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

निम्नलिखित कार्य के लिए वरिष्ठ मंडल अभियंता-III, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल में ई-निविदा आमंत्रण।

कार्य का नाम	एडीईएन/एनडीएलएस के अधीन एसएसई/डब्ल्यू/एनडीएलएस/स्टेशन के खंड में आरपीएफ थाने से टीटीई विश्राम गृह के पास विद्युत सबस्टेशन तक सर्विस रोड की सतह और चारदीवारी का सुधार और अन्य संबद्ध कार्य तथा प्लेटफार्म सतह पर कॉपिंग वॉल और कॉपिंग स्टोन आदि सहित पहाड़गंज और अजमेरी गेट की ओर के परिसंचारी क्षेत्र की मरम्मत।
कार्य की अनुमानित लागत (रुपये)	रु.2,49,88,027.73 (रुपये दो करोड़ उनचास लाख अठासी हजार सत्ताईस और तिहत्तर पैसे मात्र)
बयाना राशि (रुपये)	रु.2,75,000/- (रुपये दो लाख पचहत्तर हजार मात्र)
निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये)	रु.0.00
निविदा बोली प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय	01.07.2025 को 15:00 तक।
वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	निविदा www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध।
आवंटन	04-410-32

• ठेकेदारों को ई-टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम) IREPS) साइट यानी www.ireps.gov.in के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। • सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। • मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेगी। • निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी।

निविदा संख्या : 128-डब्लू/280/ई-निविदा सूचना/14-2025-26/डब्लू-3 दिनांक : 10.06.2025 1713/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

ग्रीष्मकालीन सुपरफास्ट स्पेशल एक्सप्रेस रेलगाड़ी

रेलयात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे द्वारा निम्नलिखित ग्रीष्मकालीन सुपरफास्ट स्पेशल एक्सप्रेस रेलगाड़ी (आरक्षित) का संचालन किया जायेगा, जिसका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:-

04092/04091 नई दिल्ली - हावड़ा जं. - नई दिल्ली सुपरफास्ट स्पेशल एक्सप्रेस रेलगाड़ी (आरक्षित) 24 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04092		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04091	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	19:30	नई दिल्ली	01:00	--
21:40	--	हावड़ा जं.	--	23:50

चलने की तिथि : 04092 नई दिल्ली से दिनांक 11.06.2025 से 19.07.2025 (बुधवार एवं शनिवार) तक एवं **04091 हावड़ा जं.** से दिनांक 12.06.2025 से 20.07.2025 (गुरुवार एवं रविवार) तक।

स्थानः प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर इकॉनमी, शयनयान एवं सामान्य।

ठहरावः अलीगढ जं., टूंडला जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पटना जं., बख्तियारपुर जं., बाढ़, मोकामा, किऊल जं., जमुई, झाझा, जसीडीह जं., मधुपुर जं., जामताड़ा, चित्तरंजन, आसनसोल जं. दुर्गापुर एवं बर्द्धमान स्टेशन।

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी अन्य जानकारी जैसे मार्ग में पड़ने वाले स्टेशन एवं उनकी विस्तृत समय-सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे सदैव आपकी सेवा में

हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें 1726/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

मृत्यु के बाद आखिर क्या होता है

मृत्यु के बाद आपके अपने कर्मों के अनुसार फल मिलता है आप मान लें 3साल जब आप बच्चे थे तो कैसा था फिर बहुत कड़ी साधना और प्रभु राम के ध्यान में मग्न होंगे तो और पीछे जाने पर माँ की कोख में पाते है उससे पहले आप हवा में विचरण करते मालूम होंगे कड़ी साधन और भगवान राम के प्रति अटूट साधना से मालूम होगा क्योंकि पंडित राम शर्मा आचार्य ने अपने तीन पूर्व जीवन के बारे में मात्र 13वर्ष की आयु में साधना से अपने तीनों जीवन में महान संत थे अन्य धर्मों से जुड़े लोग और वैज्ञानिक सिद्धांतों में विश्वास करने वाले लोग कई अलग-अलग विचार रखते हैं। हिंदू धर्म के अनुसार, मानव आत्मा अमर है और कभी नहीं मरती।

मनुष्य की मृत्यु के बाद, आत्मा (आत्मा) पुनर्जन्म के माध्यम से एक अलग शरीर में पुनर्जन्म लेती है। यह अच्छे और बुरे कर्म (कर्म) हैं जो आत्मा के भाग्य का निर्धारण करते हैं। अंतिम लक्ष्य मोक्ष प्राप्त करना है, जिसका अर्थ है पुनर्जन्म के चक्र से खुद को मुक्त करना और एक पूर्ण आत्मा का हिस्सा बनना। हिंदू अनुष्ठानों और समारोहों के आधार पर, मृत्यु के तुरंत बाद, आत्मा जीवन के अगले रूप में पुनर्जन्म नहीं लेती है। यह (लिंग शरीर) की संरचना में रहती है। मृत्यु के देवता, जिन्हें यम के रूप में भी जाना जाता है, पहचान की जाँच के लिए यह रूप लेते हैं। इस प्रक्रिया के बाद, आत्मा मृतक के स्थान पर वापस लौटती है, जहाँ वह दरवाजे पर रहती है। मान्यताओं के अनुसार, हमें इस वापसी से पहले दाह संस्कार की रस्में करनी चाहिए ताकि आत्मा शरीर में दोबारा प्रवेश न करे। पुनर्जन्म के इस चक्र को समाप्त करने या इससे बचने के लिए, व्यक्ति को मोक्ष प्राप्त करना चाहिए। केवल संत या वे लोग जिनकी अंतिम संस्कार के बाद राख को गंगा के पवित्र जल में बहा दिया जाता है, वे ही इस अवस्था को प्राप्त कर सकते हैं। दूसरों के लिए, भाग्य पुनर्जन्म की ओर ले जाएगा।

ऐसा माना जाता है कि मृत्यु के 10वें दिन तक, तत्काल परिवार ने कलंक को दूर कर दिया था। कर्ता (मुख्य शोककर्ता) और पुजारी श्राद्ध अनुष्ठान करते हैं। वे मृतक की आत्मा (प्रेत) के अगले भौतिक रूप के सम्मानजनक पुनर्जन्म को सुनिश्चित करने के लिए ये अनुष्ठान करते हैं। समारोह करने के लिए एक पवित्र नदी के पास जमीन पर एक गड्ढा खोदा जाता है। भगवान विष्णु का आह्वान किया जाता है, और शहद, दही, घी, तिल, चीनी और दूध जैसी सामग्री के साथ आटे की दस गोलियां उस क्षेत्र में रखी जाती हैं। दाह संस्कार में शरीर को लकड़ी के लट्ठों में जलाना शामिल है, और ऐसा माना जाता है कि अग्नि एक संदेशवाहक के रूप में कार्य करती है। अग्नि शरीर को भस्म कर देती है और उसे पृथ्वी पर वापस भेज देती है, जहाँ से वह आया था। इस प्रक्रिया से, आत्मा अपने अगले गंतव्य पर जा सकती है।

जैसे-जैसे सामान एक-एक करके रखा जाता है, मुख्य शोककर्ता सिर, गर्दन, कंधे, दिल, छाती आदि बनाने की इच्छा रखता है। अंतिम और 10वीं प्रार्थना यह है कि आत्मा भोजन पचा सके और खा सके, जिससे अंततः नए पुनर्जन्म वाले शरीर की प्यास और भूख मिट सके। श्राद्ध और पितृ पक्ष के बारे में अधिक जानने के लिए पितृ पक्ष श्राद्ध पर जाएँ। श्राद्ध समारोह और अन्य अनुष्ठानों के बारे में जानने के लिए हिंदू श्राद्ध अनुष्ठान पृष्ठ पर जाएँ।

इन सभी अनुष्ठानों को पूरा करने के बाद, आत्मा अपनी आगे की यात्रा के लिए दुनिया छोड़ देती है। जाति के आधार पर, अन्य श्राद्ध अनुष्ठान आवंटित अवधि के दौरान किए जाते हैं। पूरी यात्रा के दौरान, आत्मा को श्राद्ध के अनुष्ठानों और समारोहों द्वारा पोषण मिलता है, जिसमें परिवार मृतक की आत्मा को लाभ पहुँचाने की आशा में ब्राह्मणों को कपड़े, जूते और पैसे प्रदान करता है। एक वर्ष के बाद, मृतक की आत्मा कर्म के आधार पर यम के अंतिम निर्णय पर पहुँचेगी कि उसे स्वर्ग मिलेगा या नरक। इस निर्णय के बाद, आत्मा का पुनर्जन्म निम्न रूप में होगाः कॉकरोच, परजीवी, चूहा, पौधा या मनुष्य। हिंदू धर्म में अंतिम संस्कार की प्रथाएँ (अंत्येष्टि) इस धर्म की मान्यताओं और मूल्यों के कारण बहुत महत्वपूर्ण हैं। मान्यताओं के अनुसार, हमारे वर्तमान जीवन के कर्म हमारे प्रत्येक पुनर्जन्म (संसार) की अवधि और रूप निर्धारित करते हैं। सरल शब्दों में कहें तो, हमारे कर्म और नैतिक गुण हमारे अगले जीवन में हमें जो प्राप्त होगा उसे प्रभावित करेंगे।

आपके प्रियजन की शांति और मोक्ष के लिए सभी अनुष्ठान और समारोह मान्यताओं के अनुसार किए जाने चाहिए। लास्ट जर्नी जैसे सेवा प्रदाता ऐसे समय में परिवारों की मदद करने और उन्हें प्रक्रिया के माध्यम से मार्गदर्शन करने के लिए सभी अंतिम संस्कार अनुष्ठानों को आयोजित करने में सहायता प्रदान करते हैं। वे आपके प्रियजनों के लिए एक गरिमापूर्ण अंतिम संस्कार सेवा सुनिश्चित करते हैं। अतः जीवन बहुत मुश्किल से मिला है पैसा एक हद तक ठीक है लेकिन उसके पीछे पागल होने से शांति ख़ो देंगे और आपको बीमारी जकड़ लेगी एक समय ऐसा भी किसी किसी के साथ होता है कि पैसा ख़र्ज करने पर भी डॉक्टर राम भरोसे छोड़ देता है।

अतः जीवन जीने के बाद आपके कर्म का एक एक हिसाब आपकी आत्मा को झेलना परता है अतः भगवान श्री राम का ध्यान करते रहें वो आपकी नइया पार लगा देगा इसलिए मौत के बाद याद आता है राम नाम सत्य है हालांकि ऐ सवाल अभी भी क़ोई नहीं अच्छे से जानता क्योंकि जब अर्जुन ने महाभारत में भगवान श्री कृष्ण से युद्ध करने के लिए इसी शर्त पर तैयार हुए कि आत्मा कभी मरती नहीं है लेकिन मरने के बाद क्या होता है इसपर मौन रहें लेकिन एक बात तो पक्का है जैसा कर्म करेंगे वैसा विचार आएगा और उसी आधार पर आपको नया जीवन मिलेगा प्रभु श्रीराम का जीवन चरित्र आदर्श मर्यादा संस्कार का प्रतीक है।

राम ने जीवन पर्यंत मर्यादा और संस्कार के साथ विनम्रता को भी नहीं छोड़ा, इसीलिए श्रीराम महान पुरुष कहलाए थे। उन्होंने भगवान श्रीराम के वनगमन तथा अयोध्या के राजा होने के उपरांत किस तरह से एक राजा को राज्य करना चाहिए उसका बहुत ही मार्मिक वर्णन किया। कहा कि प्रभु श्री राम शबरी द्वारा दिये गये जूठे बेर खाकर यह साबित किया कि प्रभु भक्ति से ईश्वर को प्राप्त किया जा सकता है। अतः उनपर आस्था और सच्चे भक्त बनने से सारे कष्ट को हर कर भवसागर पार करा देगा।

कश्मीर में रेल की कल्पना सदियों पुरानी

विनोद कुमार सिंह

कश्मीर में रेल की कल्पना सन 1892 में डोगरा महाराजाओं के विजन के साथ शुरू हुआ। एक सदी से भी अधिक पुराना यह स्वप्निल परियोजना हमारे भूवैज्ञानिक, स्थला कृतिक और तार्किक चुनौतियों भरा था।

यहाँ कि शिवालिक और पीर पंजाल पर्वत श्रृंखलाओं के बीच से कश्मीर घाटी तक ट्रेन चलाने की एक सदी से भी अधिक पुरानी महत्वाकांक्षी योजना है।

सम्पूर्ण विश्व में भारत की पहचान विभिन्नता, विविधता की विशेषताओं से होती है। इसका उदाहरण कश्मीर से कन्या कुमारी तक दी जाती है। तभी तो कश्मीर को भारत माता की मुकुट कहीजाती है। आज फिर कश्मीर की चर्चा चहुँ दिशाओं हो रही है। हो भी क्यूँ नही, यह भारत की विकाश गति गाथा की है।

जिनका शुभ शुभारम्भ व शंखनाद करने के लिए स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को 46000करोड़ रुपये से अधिक विकाश परियोजना ओं की सौगात देने पहुंचे थें। इस अवशर उन्होंने कहा कि यह पवित्र भुमि "वीर जोरावर सिंह जी की है, मैं इस धरती को प्रणाम करता हूँ। माता वैष्णो देवी के आशीर्वाद से आज कश्मीर रेल नेटवर्क से जुड़ गई है। कश्मीर से कन्याकुमारी अब रेलवे नेटवर्क के लिए भी हकीकत बन गया है।

आज की हकीकत के पीछे की कहानी पर एक नजर डालते है। आपको बता दे कि कश्मीर में रेल की कल्पना सन1892 में डोगरा महाराजाओं के विजन के साथ शुरू हुआ। एक सदी से भी अधिक पुराना यह स्वप्निल परियोजना हमारे भूवैज्ञानिक, स्थलाकृतिक और तार्किक चुनौतियों भरा था। यहाँ कि शिवालिक और पीर पंजाल पर्वत श्रृंखलाओं के बीच से कश्मीर घाटी तक ट्रेन चलाने की एक सदीयों से भी पुरानी महत्वाकांक्षी परियोजना है। इनमें चिनाब नदी पर एक स्टील आर्च ब्रिज है जिसे भूकंप और हवा की स्थिति को झेलने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

पुल का एक प्रमुख प्रभाव जम्मू और श्रीनगर के बीच संपर्क को बढ़ाना होगा। पुल पर चलने वाली वंदे भारत ट्रेन के माध्यम से, कटरा और श्रीनगर के बीच यात्रा करने में मात्र तीन घंटे लगेंगे, जिससे वर्तमान यात्रा समय में दो-तीन घंटे की कमी आएगी। जम्मू- कश्मीर अभिलेखागार विभाग के विशेष दश्तावेजों के अनुसार, सन 1892 में डोगरा के महाराजा ने पहली बार कश्मीर तक रेल संपर्क का विचार रखा था। जिसे1898 में, शासक ने ब्रिटिश इंजीनियरिंग फर्म एसआर स्कॉट स्ट्रैटन एंड कंपनी को कश्मीर तक रेल मार्ग के लिए बीहड़ इलाके का सर्वेक्षण करने का काम सौंपा था।

इस सर्वेक्षण रिपोर्ट तैयार करने और उसे क्रियान्वित करने के लिए तीन ब्रिटिश इंजीनियरों को नियुक्त किया गया, लैकिन1898 से1909 के बीच 11वर्षों में तैयार की गई तीन में से दो रिपोर्टें अस्वीकार कर दी गईं। डीए एडम द्वारा प्रश्तुत पहली रिपोर्ट में जम्मू और कश्मीर क्षेत्रों के बीच एक इलेक्ट्रिक रेलवे की सिफारिश की गई थी, जिसमें दो फीट छह इंच की एक संकरी लाइन पर भाप इंजन लगे होंगे।

इस चुनौती पूर्ण ऊंचाई श्तरों के कारण इस प्रश्ताव को अस्वीकार कर दिया गया था। सन 1902 में डब्ल्यूजे वेटमैन द्वारा प्रश्तुत एक अन्य प्रश्ताव में झेलम नदी के किनारे एबटाबाद(अब पाकिश्तान में)से कश्मीर को जोड़ने वाली रेलवे लाइन का सुझाव दिया गया था, इसे भी अस्वीकार कर दिया गया। हालांकि,

वाइल्ड ब्लड के तीसरे प्रश्ताव में रियासी क्षेत्र से होकर चेनाब नदी के किनारे रेलवे लाइन बिछाने की सिफारिश की गई थी। अन्तत इस रिपोर्ट को मंजूरी दे दी गई। उधमपुर, रामसू और बनिहाल के पास बिजली से चलने वाली ट्रेनों को चलाने और बिजलीघर स्थापित करने की कई योजनाओं की भी जांच की गई, लेकिन अंततः उन्हें खारिज कर दिया गया।

हालांकि, कई बार खारिज किए जाने के बाद, ब्रिटिश इंजीनियर कर्नल डी.ई. बोरेल को आखिरकार स्थानीय कोयला भंडारों पर एक विश्तृत रिपोर्ट प्रश्तुत करने का काम सौंपा गया। इसके अलावा, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के तत्कालीन उप अधीक्षक टीडी ला टच से संगरमार्ग और महोगला कोयला खदानों पर एक विश्तृत रिपोर्ट तैयार कराई गई थी। कई अस्वीकृतियों के बाद एक सकारात्मक विकास को चिह्नित करते हुए, दिसंबर1923 में, एसआर स्कॉट स्ट्रैटन एंड कंपनी को कोयला निष्कर्षण परियोजना को लागू करने के लिए फिर से नियुक्त किया गया। हालांकि दश्तावेजों में कहा गया है कि 1925 में महाराजा प्रताप सिंह की मृत्यु और बढ़ते भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के कारण परियोजना को स्थायी रूप से स्थगित कर दिया गया।

इस यात्रा में उम्मीद की एक किरण छह दशक बाद जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1983 में पुनः प्रयास जम्मू-उधमपुर-श्रीनगर रेलवे लाइन की आधारशिला रखी। जिससे यह महत्वाकांक्षी परियोजना को नव जीवन मिला। सुत्रों के अनुसार, उस समय इस मेगा प्रोजेक्ट की लागत करीब 50 करोड़ रुपये आंकी गई थी और इसे पांच साल में पूरा किया जाना था। हालांकि, अगले 13 सालों में बजट बहुत बढ़ गया क्योंकि केवल11किलोमीटर लाइन का निर्माण किया जा सका, जिसमें 300 करोड़ रुपये की लागत से 19 सुरंगें और 11पुल शामिल थे। यह परि योजना बाद में व्यापक उधमपुर -कटरा-बारामूला रेलवे परियोजना में बदल गई, जिसकी अनुमानित लागत 2, 500 करोड़ रुपये थी, जिसकी आधारशिला 1996 और 1997 में प्रधानमंत्रियों एचडी देवेगौड़ा और आईके गुजराल ने उधमपुर, काजीगुंड और बारामूला में रखी थी। इस परियोजना का निर्माण कार्य 1997 में शुरू हुआ। यह कार्य भूवैज्ञानिक, स्थलाकृतिक और मौसम संबंधी स्थितियों के कारण चुनौती पूर्ण था। जिसके कारण देरी हुई, जिससे लागत 43, 800 करोड़ रुपये से अधिक हो गई है। उधमपुर- श्रीनगर-बारामुल्ला रेलवे लाइन (यूएसबीआरएल)को इसके सामरिक महत्व को देखते हुए राष्ट्रीय परि योजना घोषित किया गया था। 272 किमी लंबे खंड में से 209 किमी पहले ही चरणों में चालू हो चुका है, जिसमें 2009 में काजीगुंड-बारामूला, 2013 में बनिहाल- काजीगुंड, 2014 में उधमपुर-कटरा और 2023 में बनिहाल-संगलदान शामिल है।

हमारे इंजीनियरिंग के इस चमत्कार में कश्मीर रेल परियोजना के साथ 38 सुरंगें और 927 पुल शामिल हैं, जिनमें चिनाब पुल सबसे खास है, जो एफिल टॉवर से 35 मीटर ऊंचा है और नदी तल से 359 मीटर ऊपर है। यह दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज है। इस बहु प्रतिक्षित परियोजना प्रारम्भ होने से ना केवल जम्मु कश्मीर के लोगों लाभ होगा बल्कि कशमीर में आने वाले शैलानी के संग श्रद्धालुओं को फायदा होगा। नए रोजगार के अवसर मिलेंगे। इस मौके पर मुझे एक प्रचलित कहावत याद आ रही है - कौन कहता है कि आशमा में सुराग नही होता, एक पत्थर तो तबीयत से उछालो यारों।

दोनों नेता तो मिले, लेकिन दिल भी मिलें, तो बात बने!

राकेश दुबे

अशोक गहलोत और सचिन पायलट की गर्मजोशी वाली मुलाकात की तस्वीरें और वीडियो लोग जम कर देख रहे हैं। दोनों धुर विरोधी नेताओं की इस मुलाकात को राजस्थान में, और खास तौर पर कांग्रेस की राजनीति में बहुत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कांग्रेसी चाहते हैं कि नेता तो मिल गए, मगर दिल भी मिले, तो कोई बात। वरना, ऐसी मुलाकातों के कोई खास मायने नहीं है।

वैसे तो दो नेताओं का मिलना बहुत आम बात है, लेकिन अशोक गहलोत और सचिन पायलट जैसे दो दमदार और धुर विरोधी कांग्रेस नेताओं की मुलाकात से सियासी हलकों में हलचल है। राजस्थान की राजनीति में इस मुलाकात के मायने तलाशे जा रहे हैं। दोनों नेताओं के रिश्ते बेहद तनावपूर्ण रहे हैं।

राजस्थान में दिसंबर 2018 में विधानसभा चुनाव जीतने के बाद जब पायलट मुख्यमंत्री पद के लिए अपनी प्रबल दावेदारी जता रहे थे, तब कांग्रेस आलाकमान ने अशोक गहलोत को मुख्यमंत्री और पायलट को उपमुख्यमंत्री बनाया था। इसके बाद से ही पायलट लगातार नाराज रहे और महज डेढ़ साल में ही दोनों नेताओं के बीच मतभेद गहरे हो गए।

पायलट ने जब उप मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष पद पर रहते हुए, मानेसर से अपनी ही पार्टी की सरकार पलटने की कोशिश की थी, और गहलोत ने बाद में पायलट को 'निकम्मा' और 'नकारा' तक कहा था। इस ताजा मुलाकात को कोई गहलोत की जादूगरी बताता है, तो कोई विमान को उड़ाने के लिए रनवे पर आने की पायलट की मजबूरी। हालांकि पायलट का गहलोत से मिलने जाना और दोनों के द्वारा इस मुलाकात को सार्वजनिक करना, यह दर्शाता है कि दोनों व्यक्तिगत मतभेदों को पीछे छोड़कर नए सिरे से कांग्रेस को मजबूत करने की सोच रहे हैं। लेकिन इसके वाश्तविक परिणामों के लिए अभी लंबी प्रतीक्षा करनी होगी, क्योंकि राजनीति में नेता तो आसानी से मिल लेते हैं,

मगर दिल आसानी से नहीं मिलते।

गहलोत और पायलट, दोनों ने 7 जून की अपनी इस मुलाकात तो सोशल मीडिया पर सार्वजनिक करके एक सकारात्मक छवि बनाने की कोशिश की। गहलोत ने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर लिखा – अखिल भरतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव श्री सचिन पायलट ने आवास पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व. श्री राजेश पायलट की 25वीं पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया। मैं और राजेश पायलट जी 1980 में पहली बार एक साथ ही लोकसभा पहुंचे एवं लगभग 18 साल तक साथ में सांसद रहे। उनके आकस्मिक निधन का दुख हमें आज भी बना हुआ है।

उनके जाने से पार्टी को भी गहरा आघात लगा। दूसरी तरफ सचिन पायलट ने भी नपे तुले शब्दों में अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा – आज पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जी से मुलाकात की। मेरे पिता स्व. राजेश पायलट जी की 25वीं पुण्यतिथि पर 11 जून को दौसा में आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में उन्हें शामिल होने के लिए निवेदन किया।

सियासी हलकों में इस मुलाकात के गहरे राजनीतिक निहितार्थ देखे जा रहे हैं। नई दिल्ली में कांग्रेस की राजनीतिक गतिविधियों पर गहरी नजर रखने वाले वरिष्ठ पत्रकार आदेश रावल को पायलट का करीबी माना जाता है, उन्होंने 'एक्स' पर केवल इतना ही लिखा कि समय ही बलवान होता है। राजनीतिक विश्लेषक निरंजन परिहार, भारत सरकार के नागरिक विमानन राज्य मंत्री रहे गहलोत से पायलट की इस मुलाकात पर उड्डयन सिद्धांतों का हवाला देते हुए कहते हैं कि विमान को जब नई उड़ान भरनी हो, तो पायलट को अपना विमान रन वे पर लाना ही पड़ता है। परिहार कहते हैं कि गहलोत और पायलट की मुलाकात का प्रभाव तभी स्पष्ट होगा, जब दोनों कांग्रेस को फिर से सत्ता में लाने के लिए काम करेंगे।

वरिष्ठ पत्रकार शरत कुमार अपने एक वीडियो में कहते हैं कि पायलट ने गहलोत से मिलने की जो पहल की है, उसके बाद अब गहलोत पर बड़ी जिम्मेदारी है कि वे भी अपना बड़ा दिल दिखाएं। पायलट के कट्टर समर्थक शरत कहते हैं कि दोनों नेताओं के बीच की ये विश्वास बहाली आगे क्या गुल खिलाती है, यह तो पता नहीं, लेकिन कांग्रेसी इससे खुश हैं। कांग्रेस की राष्ट्रीय राजनीति जानने वाले वरिष्ठ पत्रकार संदीप सोनवलकर इसे पायलट का राजनीतिक समर्पण मानते हैं। सोनवलकर कहते हैं कि गहलोत के प्रति आलाकमान के अब तक के राजनीतिक रवैये से सचिन को समझ में आ गया है कि उनसे टकराव छोड़कर सामंजस्य किए बिना राजस्थान में उभरना आसान नहीं है। राजस्थान के प्रमुख न्यूज चैनल 'फर्स्ट इंडिया' के सहयोगी संपादक नरेश शर्मा कहते हैं कि इस मुलाकात में गहलोत ने भी बड़ा मन दिखाकर पुराने विवादों को भुलाया और राजेश पायलट की पुण्यतिथि के समारोह में जाने का मन बनाया है।

उल्लेखनीय है कि सन 2018 में अशोक गहलोत जब तीसरी बार प्रदेश के मुख्यमंत्री बने, तो सत्ता पाने में नाकामयाब रहे पायलट लगातार नाराज रहे। उप मुख्यमंत्री तथा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पदों पर रहते हुए पायलट की पार्टी विरोधी गतिविधियां देखी गईं और दोनों पदों से जून 2020 में उनको बर्खाश्त किया गया। उसके बाद से ही राजस्थान कांग्रेस में गुटबाजी की खाई पहले से कुछ ज्यादा बढ़ गई, और दुराव का दौर भी लगातार जारी रही।

कुछ लोग गहलोत और पायलट की इस मुलाकात को कांग्रेस में गुटबाजी समाप्त करने और एकता के नए प्रयास सहित भविष्य की रणनीति के मजबूत संकेत के रूप में देख रहे हैं। तो कुछ का कहना है कि बहुत संभव है कि राजेश पायलट की पुण्यतिथि के बहाने गहलोत को पटखनी देने के लिए पायलट का दांव हो, या यह भी संभव है कि अपने आप को विनम्रता की मूरत के रूप में स्थापित करने के साथ ही सदाशयता से सबको साथ लेकर चलने वाला साबित करने की भी पायलट की कोशिश हो।

वैसे, माना जा रहा है कि यह मुलाकात कांग्रेस की आंतरिक एकता को मजबूत करने का संदेश है। क्योंकि गहलोत और पायलट के बीच की खटास ज्यादा बढ़ने का कारण सन 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार को माना गया। लगभग जीती हुई बाजी कांग्रेस हार गई थी। कांग्रेस नेता पूर्व राज्यपाल सतपाल मलिक ने खुलकर कहा था कि राजस्थान में कांग्रेस की सरकार न बनने देने में पायलट का ही सबसे बड़ा हाथ रहा। क्योंकि पायलट को लग रहा था कि कांग्रेस की सरकार फिर बन गई, तो अशोक गहलोत ही मुख्यमंत्री बनेंगे, इसी कारण उन्हीं ने कांग्रेस के उम्मीदवारों का हराया और अपनी जाति के गुर्जर लोगों को कांग्रेस को वोट न देने के लिए प्रेरित किया। मलिक के इस बयान को कांग्रेस नेतृत्व ने भी गंभीरता से लिया था। लेकिन, अब उसी तस्वीर में देखें, तो पायलट का गहलोत के घर जाना और उनसे मुलाकात करना, दोनों नेताओं के बीच सुलह के प्रयास के रूप में देखा जा सकता है। खासकर तब, जब 2028 के राजस्थान विधानसभा चुनाव पर कांग्रेस की नजर हैं।

राजनीतिक ताकत देखें, तो कांग्रेस में गहलोत और पायलट दोनों की अपनी-अपनी क्षेत्रीय और सामाजिक पकड़ है। मुख्यमंत्री रहते हुए गहलोत ने जो जनहित के जो लोकप्रिय योजनाएं चलाईं, उनको प्रदेश की जनता आज भी याद करती है। अतः यह मुलाकात राजस्थान में कांग्रेस की जमीनी श्तर पर मजबूती के लिए रणनीतिक कदम हो सकती है। गहलोत का राजनीतिक प्रभाव, उनके अनुभवी नेतृत्व और ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूत आधार पर टिका है, जबकि पायलट युवा नेतृत्व और गुर्जर समुदाय में अपनी लोकप्रियता के लिए जाने जाते हैं।

पार्टी आलाकमान इस बात को समझता है, लेकिन दोनों नेताओं के बीच नेतृत्व की ओर से सुलह के प्रयास अब तक नहीं हुए, इसे नेतृत्व की कमजोरी भी माना जा रहा है। वैसे, कोई कुछ भी कहे, लेकिन इस मुलाकात के बावजूद, पायलट और गहलोत के बीच पूर्ण सुलह होने में समय लग सकता है। क्योंकि लंबे समय से चली आ रही तनातनी के बीच ये मुलाकात ङले ही राजेश पायलट के पुण्यतिथि समारोह में निमंत्रण के लिए ही हो, मगर यह कोई मानने को तैयार नहीं है। क्योंकि दो नेता पूरे दो घंटे तक केवल राजेश पायलट की 25वीं पुण्यतिथि पर ही बात कर रहे होंगे, यह संभव ही नहीं है।

इसी कारण सियासी हलकों में इसीलिए इस मुलाकात के मतलब तलाशे जा रहे हैं। मगर, यह सही है कि गहलोत बेहद मजबूत नेता हैं और विमान को उड़ाने के लिए पायलट को रन वे पर भी आना ही पड़ता है!

गरीबी के साथ आर्थिक असमानता दूर करने का लक्ष्य हो

अशोक मधुप

उडीसा के कलाहांडी जिले के धरमगढ़ में 2021 बैच के आईएएस अधिकारी डिप्टी कलेक्टर धीमन चकमा को ओडिशा विजिलेंस ने 10 लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा ।उनके निवास से 47 लाख रूपये अतिरिक्त बरामद हुए।

विजीलेंस की जांच जारी है। मात्र चार साल के शुरूआती कैरियर में रिश्वत लेते पकड़े जाना, यह बताने के लिए काफी है कि आज भारतीय समाज के भ्रष्टाचार की जड़ कितनी गहराई तक पहुंच गई हैं।

व्यवस्था की सभी खंबे आज बेईमानी की जद में हैं।हम अधिकारी ,राजनेता और व्यवस्था के भ्रष्टाचार के खिलाफ तो खूब बोलते और लिखते है, किंतु न्यायपालिका के कदाचार पर चुप्पी साध जाते हैं, जबकि वहां भी हालत सब जगह जैसी ही है। दिल्ली उच्च न्यायालय के जस्टिस यशवंत वर्मा के घर नई दिल्ली स्थित 30, तुगलक क्रीसेंट स्थित सरकारी आवास के बाहरी हिस्से में 14 मार्च की रात आग लग गई।

इसमें बड़ी तादाद में नोट जले।जस्टिस वर्मा को दिल्ली से इलाहाबाद उच्च न्यायालय भेज दिया गया,किंतु लगभग तीन माह बीत जाने के बाद भी उनके खिलाफ कोई आरोप दर्ज नही हुआ।यदि यह ऐसा मामला किसी मंत्री, राजनेता या प्रशासनिक अधिकारी का होता तो उसके खिलाफ मुकदमा ही दर्ज नहीं होता, जेल भी जाना पड़ता।

न्यायिक अधिकारी अपने को मिले विशेष अधिकार के बूते मामले दबा रहे हैं।राज्य सभा अध्यक्ष जगदीप जाखड़ भी इस पर तीखी टिप्पणी कर चुके हैं।

रिश्वत के आरोपी अधिकारी धीमन चकमा का जन्म त्रिपुरा के एक छोटे से कस्बे कंचनपुर में हुआ। उनके पिता स्कूल टीचर हैं, जबकि मां हाउस वाइफ हैं। धीमन ने अगर्तला के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनआईटी) से कंप्यूटर साइंस में बी.टेक किया। पढ़ाई पूरी करने के बाद धीमन ने यूपीएससी की तैयारी शुरू की।

उन्हें पहले भारतीय वन सेवा (आईएफएस) में जगह मिली और वह ओडिशा के मयूरभंज जिले में आईएफएस अधिकारी के तौर पर तैनात हुए।

उनका सपना आईएएस बनने का था। 2020 में उन्होंने फिर से यूपीएससी की परीक्षा दी और इस बार 482वीं रैंक हासिल की। इस सफलता ने उन्हें 2021 बैच का IAS अधिकारी बनाया और वह ओडिशा कैडर में शामिल हुए।2020 की कामयाबी के बाद उन्होंने एक साल की ट्रेनिंग ली ।इसके बाद वर्ष 2021 बैच का आईएएस नियुक्त किया गया।आठ जून 2025 को ओडिशा विजिलेंस ने धीमन चकमा को 10 लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा।

बताया जा रहा है कि एक स्थानीय व्यापारी से 20 लाख रुपये मांगे गए थे।इसी तय राशि में से आधी रकम दी गई थी।व्यापारी का आरोप था कि चकमा ने उनके स्टोन क्रेशर यूनिट के खिलाफ कार्रवाई की धमकी दी थी।इसके बाद विजिलेंस ने जाल बिछाया और चकमा अपने सरकारी आवास पर रिश्वत लेते पकड़े गए। केमिकल टेस्ट में उनके हाथ और दराज दोनों पॉजिटिव पाए गए। इसके बाद उनके आवास से 47 लाख रुपये नकद और बरामद हुए।

सोशल मीडिया पर इस घटना को लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं.कई लोगों ने इसे सिस्टम की नाकामी बताया, तो कुछ ने इसे व्यक्तिगत लालच का नतीजा माना। एक यूजर ने लिखा-चार साल की नौकरी में इतना भ्रष्टाचार? ये लोग यूपीएससी में एथिक्स कैसे पढ़ते हैं?।यह पहला मामला नही है। अधिकारी रिश्वत लेते पकड़े जाते रहे हैं किंतु सेवा प्रारंभ होने के दौरान ही रिश्वत लेने का पहला मामला है।इस मामले से समझा जा सकता है कि ये अब न पकड़े गए होते तो सेवा के दौरान जनता का कितना खून चूसते।

दिल्ली उच्च न्यायालय के जस्टिस वर्मा के घर नई दिल्ली स्थित 30, तुगलक क्रीसेंट स्थित सरकारी आवास के बाहरी हिस्से में 14 मार्च की रात करीब 11:30 बजे आग लगी।इसमें बड़ी तादाद में नोट जले।जस्टिस वर्मा कहते रहे कि रूपये उनके नही है।पूरी कोशिश मामले को दबाने की हुई। मामले के न दबने पर इन्हें दिल्ली से इलाहाबाद उच्च न्यायालय भेज दिया गया,हालाकि इलाहाबाद के वकीलों ने इनके आने का विरोध किया। परिणाम स्वरूप इन्हें कार्य नही दिया गया,किंतु लगभग तीन माह बीत जाने के बाद भी उनके खिलाफ कोई आरोप दर्ज नही हुआ। जबकि सामान्य मामले में बड़े से बडे अधिकारी, जनसेवक, नेता और मंत्री के खिलाफ मुकदमा ही दर्ज नही होता, वे जेल भी जाते।इन घटनाओं के उदाहरण थोक में मिल जाएंगे। जस्टिस वर्मा का मामला राज्य सभा में भी उठ चुका है।

हाल ही में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के सदस्यों को संबोधित करते हुए न्यायपालिका में पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने एक पुराने न्यायिक आदेश के कारण एफआईआर दर्ज न होने और जस्टिस वर्मा के आवास से बरामद नकदी के मामले पर सवाल उठाए।

उपराष्ट्रपति ने न्यायिक समितियों की भूमिका और न्यायिक निर्णयों पर पैसों के संभावित प्रभाव पर भी चिंता जताई।उन्होंने कहा कि सरकार आज "लाचार" है क्योंकि एक न्यायिक आदेश एफआईआर दर्ज करने में बाधा बना हुआ है। अगर कोई अपराध हुआ है तो उसकी एफआईआर दर्ज होनी चाहिए थी। यह सबसे बुनियादी और शुरुआती कदम है, जो पहले ही दिन उठाया जा सकता था।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि मौजूदा स्थिति में जब तक न्यायपालिका के सर्वोच्च श्तर से अनुमति नहीं मिलती, तब तक एफआईआर दर्ज नहीं की जा सकती। उन्होंने सवाल उठाया कि 'अगर यह अनुमति नहीं दी गई तो क्यों?' 'क्या किसी न्यायाधीश को हटाने का प्रश्ताव ही इस संकट का समाधान है? उपराष्ट्रपति ने जस्टिस यशवंत वर्मा के निवास से बरामद नकदी की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि यह न्यायपालिका की छवि को गहरा आघात देने वाला मामला है। उन्होंने पूछा, अगर यह घटना सामने नहीं आती, तो क्या हमें कभी पता चलता कि और भी ऐसे मामले हो सकते हैं?जगदीप धनखड़ ने जोर दिया कि जब नकदी मिलती है तो हमें यह जानना चाहिए कि वह पैसा किसका है, उसकी मनी ट्रेल क्या है, और क्या उस पैसे ने न्यायिक निर्णयों को प्रभावित किया।जगदीप धनखड़ ने कहा कि जब जनता का अन्य संस्थाओं से विश्वास उठता है, तब भी वे न्यायपालिका की ओर आशा से देखते हैं।

उन्होंने कहा, हमारे न्यायाधीशों की बुद्धिमत्ता और परिश्रम अद्वितीय है लेकिन अगर वहीं संदेह की दृष्टि में आ जाएं तो लोकतंत्र की नींव ही हिल जाएगी। यह सोचना कि मीडिया का ध्यान हटते ही मामला ठंडा पड़ जाएगा, एक बहुत बड़ी भूल होगी। इस अपराध के लिए जो भी जिम्मेदार हैं, उन्हें बख्शा नहीं जाना चाहिए।

धनखड़ ने आगे कहा, मैं पूर्व मुख्य न्यायाधीश का आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने दश्तावेजों को सार्वजनिक किया। हम ये कह सकते हैं कि नकदी की जब्ती हुई क्योंकि रिपोर्ट कहती है और रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट ने सार्वजनिक की। हमें लोकतंत्र के विचार को नष्ट नहीं करना चाहिए। हमें अपनी नैतिकता को इस कदर गिराना नहीं चाहिए। हमें ईमानदारी को समाप्त नहीं करना चाहिए।

इन मामलों को देख हमें सोचना होगा कि समाज कहां जा रहा है। प्रशासन तंत्र, जनसेवक और न्यायपालिका को सामाजिक मानदंड और एथिक्स में क्या पढ़ाया जा रहा है,कैसे पढ़ाया जा रहा है। दरअस्ल भारतीय समाज में बढ़ा कदाचार समाज में बढ़ी भौतिकता की देन है।पहले जीवन आदर्श महत्वपूर्ण थे।ईमानदार व्यक्ति को समाज में सम्मान मिलता था।

अब समाज के मानक बदल गए। अब पैसे वाले को सम्मान मिलता है।ये कोई नही पूछता कि पैसा आया कहां से और कैसे आया।परिवार सदस्य ही परिवार के ईमानदार मुखिया को बेवकूफ मानते हैं। ईमानदारी के लिए समय समय पर उसका अपमान करते हैं। बढ़ते कदाचार को रोकने के लिए हमें अपने सामाजिक मिथक का पाठ प्रारंभ से ही बच्चों को पढ़ाना होगा।

उन्हें ये भी बताना होगा कि कानून के हाथ बड़े लंबे हैं।इसके चंगुल में फंसने पर सजा तो काटनी ही पड़ेगी। सम्मान को भी बट्टा लगेगा। निगरानी तंत्र को मजबूत करना होगा।इन मामलों में त्वरित न्याय की व्यवस्था करानी होगी ताकि इनकी सजा से अन्य सीख लें।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

यूपी की अर्थव्यवस्था में बड़ा फासला

पश्चिमी यूपी का दबदबा, 43 जिलों का 1 प्रतिशत से भी कम योगदान

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश की अर्थव्यवस्था में योगदान के मामले में पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश के बीच आसमान और जमीन का अंतर है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश राज्य की सकल घरेलू उत्पाद में 48.51 प्रतिशत तो पूर्वी उत्तर प्रदेश के जिले कुल 27.59 प्रतिशत योगदान दे रहे हैं।

75 में से 43 जिले ऐसे हैं जिनका कुल योगदान एक प्रतिशत से भी कम है। जिलों की जिला घरेलू उत्पाद के आंकड़ें यह बता रहे हैं कि विकास की दौड़ में आधे से अधिक जिले बहुत पीछे हैं।

नियोजन विभाग की अर्थ एवं संख्या प्रभाग ने वर्ष 2023-24 के सकल जिला घरेलू उत्पाद के आंकड़ों को जारी किया है। जिसमें बताया गया है कि राज्य की जीएसडीपी में राज्य की केंद्रीय यानी मध्य संभाग का योगदान 18.63 प्रतिशत तो बुंदेलखंड संभाग का योगदान कुल 5.27 प्रतिशत ही है। 2023-24 में राज्य की कुल जीएसडीपी 25.63 लाख करोड़ रुपये है।

आंकड़ें बता रहे हैं कि जिलों की जिला घरेलू उत्पाद में श्रावस्ती जिला अंतिम पायदान पर है। इस जिले की सकल जिला घरेलू उत्पाद कुल 0.34 प्रतिशत है। सर्वाधिक पिछड़े जिलों में

दूसरे नंबर पर चित्रकूट जिसकी डीडीपी 0.45 प्रतिशत तथा तीसरे नंबर पर संतकबीर नगर जिला है। संतकबीर नगर की डीडीपी 0.47 प्रतिशत है।

एक प्रतिशत से कम डीडीपी वाले जिलों में औरैया, भदोही, कौशांबी, महोबा, मऊ, कन्नौज, कासगंज, बलरामपुर. इटावा, फर्रूखाबाद, ललितपुर. शामली, सिद्धार्थ नगर, चंदौली, बांदा, बागपत, अमेठी, एटा, मैनपुरी, हाथरस, महाराजगंज, प्रतापगढ़, हमीरपुर, देवरिया, सुल्तानपुर, हापुड़, बलिया, अंबेडकरनगर, पीलीभीत, बस्ती, जालौन, संभल, मीरजापुर, फिरोजाबाद, कानपुर देहात, अमरोहा, रायबरेली, गाजीपुर, गोंडा और फतेहपुर शामिल हैं।

इस सूची में भदोही, कानपुर देहात और फिरोजाबाद को देखकर थोड़ी हैरानी हो सकती है क्योंकि ये तीनों जिले उद्योग बाहुल्य हैं। भदोही का कालीन पूरे विश्व में निर्यात होता है। कानपुर देहात में उद्योगों की अच्छी खासी संख्या है और फिरोजाबाद कांच के कारोबार के लिए पूरे देश में जाना जाता है।

वहीं सकल जिला घरेलू उत्पाद (डीडीपी) में गौतमबुद्ध नगर नोएडा 10.30 प्रतिशत के साथ पहले नंबर पर है। लखनऊ नंबर दो पर है इसका योगदान 5.53 प्रतिशत तथा गाजियाबाद 4.57 प्रतिशत के योगदान के साथ तीसरे स्थान पर है।

3.03 प्रतिशत योगदान के साथ आगरा चौथे नंबर पर. 3.00 प्रतिशत योगदान के साथ कानपुर नगर पांचवें स्थान पर है। 2.90 प्रतिशत योगदान के साथ प्रयागराज छठे, 2.43 प्रतिशत के साथ मेरठ सातवें, 2.23 प्रतिशत योगदान के साथ बरेली आठवें, 2.02 प्रतिशत योगदान के साथ गोरखपुर नौवें तथा 1.99 प्रतिशत योगदान के साथ वाराणसी शीर्ष में दसवें स्थान पर है।

यहां बता दें कि एक साल पूर्व वर्ष 2022-23 में कानपुर नगर डीडीपी में चौथे नंबर पर था लेकिन 2023-24 में आगरा ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए कानपुर नगर को पीछे छोड़ दिया। जिससे आगरा चौथे और कानपुर नगर पांचवें स्थान पर हैं।

बहराइच में पहली बार लगेगा महाराजा सुहेलदेव का विजय मेला

लखनऊ, एजेंसी। बहराइच के चित्तौरा में मंगलवार को महाराजा सुहेलदेव राजभर की याद में विजय दिवस का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर आयोजित होने वाले मेले का उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे जबकि विशिष्ट अतिथि सुभासपा अध्यक्ष व पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर होंगे। प्रदेश सरकार इस आयोजन के माध्यम से बड़ा राजनीतिक संदेश देने की कोशिश करेगी।

मुख्यमंत्री चित्तौरा के समीप स्थापित की गई महाराजा सुहेलदेव राजभर की अश्वारोही प्रतिमा का अनावरण करने के बाद जनसभा को संबोधित करेंगे। 40 फीट ऊंची महाराजा सुहेलदेव की कांस्य प्रतिमा का निर्माण उत्तर प्रदेश राज्य ललित कला अकादमी की देखरेख में कराया गया है। प्रसिद्ध मूर्तिकार पद्मश्री रामसुतार ने प्रतिमा को बनाया है।

महाराजा सुहेलदेव राजभर के नाम से आयोजित होने वाले इस मेले के आयोजन को इसलिए इतना महत्व दिया जा रहा है क्योंकि बहराइच में हर साल सैयद सालार मसूद गाजी की याद में आयोजित होते रहे मेले के आयोजन की अनुमति इस साल नहीं दी गई। 10 जून 1034 को बहराइच में हुए युद्ध में महाराजा सुहेलदेव राजभर ने आक्रांता सालार मसूद गाजी को मार गिराया था। उस ऐतिहासिक जीत की स्मृति में अब विजय दिवस मनाने का यह कार्यक्रम तय किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

यूपी में 10 दिन तक चलेगा विकसित भारत महाअभियान

लखनऊ, एजेंसी। केंद्र की मोदी सरकार के 11 वर्ष पूरे होने के मौके पर 10 से 21 जून तक प्रदेशव्यापी अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान विकसित भारत का अमृतकाल एवं सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्षों पर केंद्रित होगा।

पहले दिन मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भाजपा प्रदेश मुख्यालय में इस संदर्भ में पत्रकार वार्ता करेंगे और प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। सभी जिलों में केंद्र सरकार की उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी लगाई जाएगी, प्रबुद्ध समागम होगा व इंटरनेट मीडिया पर सक्रिय लोगों के लिए डिजिटल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। मंडल स्तर पर विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन होगा व शक्ति केंद्रों पर चौपाल आयोजित की जाएंगी।

मुख्यमंत्री की प्रेस कान्फ्रेंस के बाद जिला स्तर पर 11 व 12 जून को प्रेस कान्फ्रेंस होंगी जिसे भाजपा के प्रदेश पदाधिकारी, सरकार के मंत्री या सांसद संबोधित करेंगे। जिलों में 10 व 11 जून को प्रबुद्ध समागम होगा जिसमें तीन वक्ता

अलग-अलग विषयों पर बोलेंगे।

इन विषयों में विकसित भारत की संकल्पना एवं हमारी भूमिका, सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्ष तथा सशक्त भारत-सुरक्षित भारत शामिल हैं। इसके वीडियो इंटरनेट मीडिया पर भी अपलोड किए जाएंगे। इंटरनेट मीडिया से जुड़े लोगों के लिए डिजिटल प्रतियोगिता 'बदलता भारत मेरा अनुभव' विषय पर कराई जाएगी। माईजीओवी (द्व4त्र१1) पोर्टल पर जाकर शार्ट वीडियो, ब्लाग व क्विज में हिस्सा ले सकेंगे।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी व प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने सोमवार को वर्चुअल बैठक कर इस आयोजन की तैयारियों को परखा। इस अभियान के तहत विश्व योग दिवस पर 21 जून को मंडल स्तर पर योग शिविर आयोजित किए जाएंगे। महामंत्री धर्मपाल सिंह ने बताया कि 12 से 14 जून तक मंडल स्तर पर विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन किया जाएगा।

इस दौरान उपस्थित लोगों को विकसित भारत के लिए संकल्प दिलाने के साथ ही संकल्प की प्रति भी भेंट की जाएगी। शक्ति केंद्रों पर चौपाल कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। नगरीय क्षेत्रों में मोहल्ला चौपाल और पंचायतों में ग्राम चौपाल का आयोजन होगा। इसमें आयुष्मान योजना के कैंप लगाए जाएंगे जिसमें 70 वर्ष से अधिक उम्र के नागरिकों का पंजीकरण कराने के साथ ही उन्हें आयुष्मान कार्ड वितरित किया जाएगा।

यहां उपस्थित लोगों को विकसित भारत का संकल्प दिलाया जाएगा। प्रत्येक चौपाल में पांच लाभार्थियों के अनुभव का वीडियो रिकार्ड कर उसे इंटरनेट मीडिया पर अपलोड किया जाएगा।

भाजपा कार्यकर्ता मोदी सरकार की 11 वर्ष की उपलब्धियों से जुड़े साहित्य घर-घर पहुंचाएंगे।

जिले में हत्यारिन बनी मां, गला घोटकर कर दी बेटी की हत्या, तीन साल के बेटे की हालत गंभीर

आजमगढ़, एजेंसी। मेंहनगर थाना क्षेत्र के गौरा गांव में मां सरोजा देवी ने सोमवार की देर रात पांच वर्षीय पुत्री बिट्टू का गला घोंटकर मौत के घाट उतार दिया, जबकि तीन वर्षीय बेटा सीनू रेनबो हॉस्पिटल में जीवन-मौत से जूझ रहा है। वारदात का कारण पारिवारिक कलह बताया जा रहा है। सरोजा अपने बच्चों को किसी बात को लेकर मार-पीट रही थी। इस पर पति सुनील यादव और परिवार के अन्य लोगों ने उसे रोका और बच्चों को इस तरह पीटने पर भला-बुरा कहा। यह बात उसे इस कदर नागवार लगी कि पहले बेटी का गला घोंटकर मौत के घाट उतार दिया फिर बेटे का गला घोटने लगी।

किसी तरह लोगों ने बेटी को छुड़ाया, लेकिन गंभीर हाल में उसे हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। उधर, पति की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपित पत्नी को गिरफ्त में ले लिया।

यूपी के महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर हमला कर सकते हैं आतंकी, डीजीपी ने सभी जिलों को जारी किए निर्देश, बुलाई गई बैठक

गोरखपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में रेलवे, परमाणु ऊर्जा, रक्षा, गैस-तेल भंडारण और संचार से जुड़े प्रतिष्ठान आतंकियों के निशाने पर हैं। खुफिया जानकारी के अनुसार पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी संगठन द्वारा देश के सामरिक महत्व के प्रतिष्ठानों पर हमला करने की साजिश रच रहे हैं।

खुफिया विभाग के इस इनपुट पर डीजीपी मुख्यालय ने गोरखपुर समेत सभी जिलों की सुरक्षा एजेंसियों और पुलिस अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में नौ जून को एक आवश्यक बैठक भी बुलाई गई है।

भारत सरकार के गृह मंत्रालय की ओर से सभी राज्यों के मुख्य सचिवों और पुलिस महानिदेशकों को भेजे गोपनीय पत्र में आतंकी खतरे की आशंका जताते हुए सजग रहने के लिए सचेत किया गया है। पत्र में कहा गया है कि डीआरडीओ, रेलवे, परमाणु ऊर्जा विभाग, रक्षा शिपयार्ड, गैस संयंत्र, प्रमुख बंदरगाह और

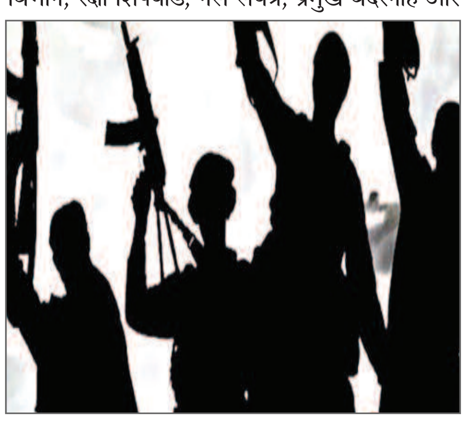

वित्तीय संस्थान गंभीर खतरे की जद में हैं।

डीजीपी कार्यालय ने छह जून को सभी जिलों को पत्र भेजकर जरूरी सावधानी अपनाने, सुरक्षा समन्वय समिति की बैठक बुलाने और हर प्रतिष्ठान की सुरक्षा को नए सिरे से परखने के निर्देश दिए हैं।

पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि प्रदेश के सभी जिलों में महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा की समीक्षा की जाए। 'नो ड्रोन जोन', 'नो फोटोग्राफी', 'नो फिशिंग' जैसे प्रतिबंध सख्ती से लागू हों। सीसी कैमरे, ड्रोन निगरानी के साथ ही फील्ड पेट्रोलिंग और चेकिंग तेज की जाए। किरायेदार, ठीके पर लगे कर्मचारियों और संविदा कर्मियों का सत्यापन कराया जाए। संवेदनशील स्थानों पर अनजान व्यक्तियों की आवाजाही की निगरानी की जाए।

सरकारी वेबसाइटों और आइसीटी इंफ्रास्ट्रक्चर (सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के लिए आवश्यक सभी तकनीकी संसाधनों का एक नेटवर्क) पर साइबर हमले की भी आशंका है। सभी सरकारी एजेंसियों को डेटा लीकेज, रैनसमवेयर और इंटरनेट मीडिया पर होने वाले दुष्प्रचार से निपटने के लिए कड़े निर्देश दिए गए हैं।

गृह मंत्रालय ने राज्य सरकारों को रेलवे की सुरक्षा के लिए एसएलएससीआर (स्टेट लेवल सिक्योरिटी कमेटी फार रेलवे) की बैठक बुलाने को कहा है, ताकि रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा खामियों की समीक्षा कर उन्हें मजबूत किया जा सके।

भीषण गर्मी से राहत नहीं, पश्चिमी यूपी में लू का आरेंज अलर्ट जारी

लखनऊ, एजेंसी। बुंदेलखंड तप रहा है। वहां पारा 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। हालांकि 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान वाले जिलों की संख्या बढ़कर 24 हो गई है। प्रदेश के दक्षिणी हिस्से में अब भी लू चल रही है। अभी कम से तीन दिनों तक तपिश से राहत नहीं मिलने वाली। लखनऊ और आस-पास के जिलो में भी कुछ दिनों तक गर्मी कम नहीं होगी। धूप के कारण उमस बनी रहेगी।

मौसम विज्ञानी डा. अतुल कुमार सिंह ने बताया कि इन दिनों मौसम शुष्क हो जाने के कारण गर्मी बढ़ रही है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के दक्षिणी भाग में अधिकतम तापमान बढ़ रहा है।

सोमवार को प्रदेश में अधिकतम तापमान आगरा व झांसी में सर्वाधिक 45.9 डिग्री सेल्सियस रहा। इससे दोनों जिलों व समीपवर्ती इलाकों में लू के थपेड़े से लगते रहे। कानपुर देहात में भी लू का असर दिखा। वहां अधिकतम तापमान 44.4 सेल्सियस रहा। लखनऊ के अधिकतम तापमान में भी थोड़ी वृद्धि दर्ज की गई। रविवार को यहां का तापमान 41.4 डिग्री सेल्सियस रहा, वहीं सोमवार को 42 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया।

डा. सिंह ने बताया कि अगले 24 घंटों में प्रदेश का मौसम मुख्यतया शुष्क बना रहेगा। प्रदेश के दक्षिणी क्षेत्रों में चल रही

गर्म पछुआ हवा के प्रभाव से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 10 जून तक लू को लेकर उच्च श्रेणी का आरेंज अलर्ट, जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान प्रदेश के अन्य भागों में भी तापमान एवं आर्द्रता सामान्य से अधिक रहने से उमस भरी गर्मी पड़ने की संभावना है।

गोमती नदी में कूदकर व्यक्ति ने की आत्महत्या, बाइक में रखे मोबाइल फोन से हुई शिनाख्त- लखनऊ, एजेंसी। गोसाईगंज के गौरियाकला पुल से गोमती नदी में छलांग लगा कर 55 वर्षीय प्यारेलाल यादव ने आत्महत्या कर ली। घटनास्थल पर खड़ी उनकी बाइक की डिग्गी में रखे मोबाइल से मृतक की शिनाख्त हुई है। फिलहाल, आत्महत्या के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं।

अयोध्या जनपद के थाना इनायतनगर स्थित शाहगंज निवासी प्यारेलाल गोसाईगंज के सदरपुर करोरा में रहते थे। सोमवार की शाम वह गौरियाकला स्थित गोमती नदी में कूद गए। मौके पर मौजूद राहगीरों ने सूचना पुलिस को दी।

पुलिस ने गोताखोरों की मदद से प्यारेलाल को बाहर निकाला और तत्काल गोसाईगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भेजा। सीएचसी पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

इंस्पेक्टर गोसाईगंज ब्रजेश चंद्र त्रिपाठी ने बताया कि वह बाइक से आए थे और उसी की डिग्गी में मोबाइल रखकर बाइक के पास ही चप्पल उतारे फिर नहर में छलांग लगा दी। परिवार को सूचित कर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। आत्महत्या के कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सके हैं। प्रथम दृष्टया घरेलू विवाद की बात सामने आ रही है। अभी तक कोई तहरीर नहीं मिली है।

कानपुर में पुलिस की प्रताड़ना से तंग युवक ने फंदा लगाकर दी जान, परिजनों ने किया हंगामा

कानपुर, एजेंसी। पति-पत्नी के बीच झगड़े की शिकायत पर पुलिस ने युवक को जमकर पीटा और छोड़ने के एवज में 20 हजार रुपये की मांग की। युवक ने अनाज बेचकर पांच हजार रुपये तो चुकाए, लेकिन बाकी की व्यवस्था नहीं कर सका।

इस पर पुलिस ने इतना दबाव डाला कि युवक ने फंदा लगाकर जान दे दी। घटना के बाद गुस्साए स्वजन और ग्रामीणों ने शव उठाने से मना कर हंगामा किया। देर रात विधायक सरोज कुरील मौके पर पहुंची। उन्होंने डीसीपी से जांच कर आरोपित पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई करने को कहा है। सजेती थाना क्षेत्र के कोटरा गांव निवासी 42 वर्षीय जीत कुमार उर्फ जीतू निषाद घर पर पत्नी सुमन और तीन बेटियों के साथ रहता था। वह सूरत में नौकरी करता था, लेकिन कुछ दिनों से गांव में था।

जीत के चाचा नरेश और रामबाबू ने बताया कि बीती चार जून को जीत और सुमन में झगड़ा हुआ था। इसके बाद सुमन ने गांव में ही बने पुलिस सहायता केंद्र में शिकायत की।

केंद्र में तैनात दो दारोगाओं ने जीत को पकड़कर 20 हजार रुपये की मांग कर दी। न देने पर जमकर मारपीट की। जीत ने किसी तरह गेहूं बेंचकर पांच हजार रुपये दिए थे। शेष 15 हजार रुपये के लिए दोनों दारोगा दबाव बना रहे थे।

रुपये का इंतजाम न होने पर जीत कुमार उर्फ जीतू ने सोमवार शाम फंदा लगाकर जान दे दी। शाम को अन्य घरवालों को उसका शव कमरे में फंदे पर लटका मिला। दीवार तोड़कर अंदर पहुंचा गया तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

सूचना के बाद पुलिस पहुंची को ग्रामीण आक्रोशित हो उठे और पुलिस विभाग के उच्चाधिकारियों को बुलाने की मांग करने लगे। घटना के बाद फोरेंसिक टीम ने भी पहुंचकर साक्ष्य जुटाए हैं। जीत कुमार उर्फ जीतू ने सोमवार शाम करीब छह बजे फंदा लगाया था। रात 11 बजे तक पुलिस विभाग का कोई उच्चाधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। इसके बाद विधायक सरोज कुरील पहुंची। विधायक के फोन करने पर डीसीपी भी देर रात गांव के लिए रवाना हुए। इस दौरान तक ग्रामीणों ने शव उठने नहीं दिया। जीत के पिता रमेश ने आरोपित दोनों पुलिस कर्मियों पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की है। झगड़े के बाद सुमन ने पुलिस से शिकायत की और अपने मायके बीरबल अकबरपुर के मजरा गुरैयनपुर चली गई थी। सुमन के पिता रामकिशोर गांव के प्रधान हैं। स्वजन ने प्रधान पर पुलिस से मिलीभगत कर जीत को पिटवाने के आरोप

अब रिंकू और प्रिया सरोज की शादी की तैयारी में जुटा परिवार

अलीगढ़, एजेंसी। क्रिकेटर रिंकू सिंह व सांसद प्रिया सरोज की रविवार को हुई सगाई खूब चर्चा में है। रिंकू अभी लखनऊ में ही हैं, वहीं अन्य लोग अलीगढ़ लौट आए। सगाई में रिंकू के स्वजन और दोस्तों को प्रिया के परिवार ने मिठाई, कपड़े व अन्य उपहार देकर विदा किया। सभी बहुत खुश दिखाई दिए। परिवार अब शादी की तैयारी में जुट गया है, जो 18 नवंबर को वाराणसी के होटल ताज में होगी।

सगाई में तो रिंकू का परिवार और कुछ करीबी दोस्त ही शामिल हुए, मगर शादी में तमाम रिश्तेदारों और अन्य लोगों को आमंत्रित किया जाएगा। शादी का रिसेप्शन भी अलीगढ़ में हो सकता है, रिंकू का परिवार भी यही चाहता है।

भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह व मछली शहर की सांसद प्रिया सरोज ने एक-दूसरे को सगाई की अंगूठी पहनाई। केक काटकर एक-दूसरे को खिलाया। दोनों के बीच की बाउंडिंग से स्पष्ट प्रतीत हो रहा था कि वह काफी समय से एक-दूसरे के साथ प्रेम संबंध में हैं। दोनों बहुत खुश दिखाई दिए।

सगाई में रिंकू और उनके परिवार की सादगी ने सभी मेहमानों का ध्यान खींचा। प्रिया के परिवार ने सभी को सप्रेम मिठाई, कपड़े व अन्य उपहार भेंट किए, जिससे सभी प्रफुल्लित हो उठे। कार्यक्रम समाप्ति के बाद मेहमानों के रुकने की व्यवस्था होटल में ही की गई थी।

सोमवार को उनके करीबी अर्जुन सिंह फकीरा, भाई सोनू लेफ्टी, जीतू, कोच मसूद अमीनी व दोस्त सुबह ही अलीगढ़ लौट आए। उनके पिता खानचंद, मां बीना देवी,

बहन नेहा व कुछ अन्य रिश्तेदार देरशाम तक अलीगढ़ पहुंचे। दोस्तों के बीच तो होटल की सजावट, दावत व आशीर्वाद देने आए वीआइपी मेहमानों का आगमन चर्चा का हिस्सा रहा, जिसे बताते हुए उत्साहित नजर आए।

रिंकू के करीबी अर्जुन सिंह फकीरा ने कहा कि बहुत शानदार आयोजन हुआ। राजनीतिक व क्रिकेट जगत की हस्तियां आईं। स्वजन के अनुसार, रिंकू सिंह संभवतः मंगलवार को अलीगढ़ लौटेंगे। इसके बाद शादी की अन्य तैयारियों पर चर्चा होगी। क्योंकि, शादी का समारोह वाराणसी के ताज होटल में तय हो चुका है, इसलिए रिसेप्शन को यहां करने की तैयारी है। रिंकू के भाई सोनू ने कहा कि अभी तय तो नहीं है, पर रिसेप्शन अलीगढ़ में हो सकता है। इसमें

अलीगढ़ में हो सकता है रिसेप्शन

रिश्तेदार व शहर के तमाम लोगों को आमंत्रित किया जाएगा।

बदलाव के बहाव में कुछ खास कर पाने वालों की अलग पहचान होती है। क्रिकेटर रिंकू सिंह ने मेहनत के दम पर सब कुछ बदल डाला। इस तरह बदला कि उनके संघर्ष की कहानी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने जैसी है। युवाओं के लिए प्रेरणा है। सर्वेंट क्वार्टर में बचपन बिताने वाले रिंकू आज किसी हीरो से कम नहीं। बड़े राजनीतिक घराने की सांसद प्रिया सरोज से सगाई के बाद वे फिर इंटरनेट मीडिया पर छाए हुए हैं।

सगाई के फोटो के साथ कमेंट्स में उनकी मेहनत और सफलता के किस्से हैं। साथ ही उनकी शादी के इंतजार के संदेश भी। रिंकू की सफलता पर एक प्रशंसक ने लिखा है कि एक सच जो ख्वाब के मानिंग भी नहीं

निकोलस पूरन ने 29 वर्ष की उम्र में क्रिकेट को कहा अलविदा

इन खिलाड़ियों ने भी कम उम्र में क्रिकेट से लिया संयास, भारतीय भी शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज के सर्वोच्च रैंकिंग वाले टी20 बल्लेबाज निकोलस पूरन ने अपने 9 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कह दिया है। त्रिनिदाद के इस खिलाड़ी ने 29 वर्ष की उम्र में क्रिकेट से विदा लेकर सभी हैरान कर दिया।

पूरन ने वेस्टइंडीज के लिए 167 मैच खेले और 99.15 के स्ट्राइक रेट से 39.66 की औसत से 1983 वनडे रन बनाए। कभी टेस्ट मैच नहीं खेलने वाले पूरन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में सबसे ज्यादा 106 मैच खेलने वाले वेस्टइंडीज के खिलाड़ी हैं और 2,275 रन के साथ टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। केवल पूरन ही नहीं कई ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने 30 या उससे कम की उम्र में ही क्रिकेट को अलविदा कह दिया और इसमें भारतीय क्रिकेटर भी शामिल हैं।

रवि शास्त्री (भारत)

कारण - घुटने की चोट

संन्यास - 30 की उम्र में (1992)

बल्लेबाजी के दौरान शास्त्री ने 80 टेस्ट में 3830 रन बनाए जिसमें 11 शतक और 12 अर्धशतक शामिल थे जबकि वनडे में उन्होंने 150 मैचों में 4 शतकों और 18 अर्धशतकों सहित 3108 रन बनाए थे। गेंदबाजी में उन्होंने टेस्ट में 151 और वनडे में 129 विकेट अपने नाम किए हैं। टेस्ट में शास्त्री का बेस्ट 5/75 और वनडे में 5/15 है।

क्विंटन डी कॉक (दक्षिण अफ्रीका)

संन्यास - 30 की उम्र में (2023)

टेस्ट - 54 मैचों में 38.82 की औसत के साथ 6 शतकों और 22 अर्धशतकों सहित कुल 3300 रन

वनडे - 155 मैचों में 45.74 की औसत के साथ 6770 रन, 21 शतक और 30 अर्धशतक

टी20आई - 92 मैचों में 31.51 की औसत से 2584 रन, जिसमें एक शतक और 16 अर्धशतक भी

तातेंडा ताइबू (जिम्बाब्वे)

कारण - चर्च में सेवा के लिए

संन्यास - 29 की उम्र में (2012)

टेस्ट - 28 मैचों में 30.31 की औसत और 153 के हाईएस्ट के साथ एक शतक और 12 अर्धशतक सहित 1546 रन

वनडे - 150 मैचों में 29.25 की औसत और 107 के सर्वश्रेष्ठ सहित 2 शतक और 22 अर्धशतक के साथ कुल 3393 रन

टी20आई - 17 मैचों में 28.77 की औसत और 45 के सर्वश्रेष्ठ सहित कुल 259 रन

उन्मुक्त चंद (भारत)

कारण - बेहतर विकल्प की तलाश में अमेरिका रवाना

संन्यास - 28 की उम्र में (2021)

लिस्ट ए - 120 मैचों में 41.33 की औसत और 127 के हाईएस्ट के साथ 4505 रन, 7 शतक और 5 अर्धशतक भी

टी20 - 90 मैचों में 21.89 की औसत और 125 के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ कुल 1795 रन, 3 शतक और 7 अर्धशतक

सकलैन मुश्ताक (पाकिस्तान)

कारण - घुटनों की समस्या

संन्यास - 27 साल की उम्र में (2004)

उन्होंने टेस्ट में 49 मैचों में 927 रन बनाए हैं जिसमें उनका औसत 25.73 का रहा। इस दौरान उन्होंने एक शतक और दो अर्धशतक भी लगाए। सकलैन ने टेस्ट में 2.65 की ईकोनॉमी से 208 विकेट भी लिए हैं।

वनडे में सकलैन ने 169 मैचों में 711 रन बनाए हैं जबकि इस फॉर्मेट में उनके नाम 4.29 ईकोनॉमी के साथ 288 विकेट्स हैं।

जेम्स टेलर (इंग्लैंड)

कारण - दिल की बीमारी

संन्यास - 26 की उम्र में (2016)

टेस्ट - 7 मैचों में 26 की औसत और 76 के हाईएस्ट के साथ 2 अर्धशतक सहित 312 रन

वनडे - 27 मैचों में 42.33 की औसत और 101 के सर्वश्रेष्ठ सहित 7 अर्धशतक के साथ कुल 887 रन

क्रेग कीसवेटर (इंग्लैंड)

कारण - आंख की चोट

संन्यास - 25 की उम्र में (2014)

वनडे - 46 मैचों में 30.11 की औसत से 1054 रन, एक शतक और 5 अर्धशतक के साथ 107 का हाईएस्ट स्कोर

टी20आई - 25 मैचों में 21.91 की औसत और 63 के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ कुल 526 रन, 3 अर्धशतक

10 वर्षीय अतीका मीर रोटैक्स यूरो ट्रॉफी में शीर्ष–10 में स्थान पाने वाली पहली भारतीय बनीं

त्रिनेक, एजेंसी। 10 वर्षीय भारतीय रेसिंग सनसनी अतीका मीर ने रोटैक्स यूरो ट्रॉफी में शीर्ष–10 में जगह बनाई है। इस उपलब्धि को हासिल करने वाली वह पहली भारतीय बन गई हैं। रोटैक्स यूरो ट्रॉफी एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय कार्टिंग सीरीज है। स्टील रिंग सर्किट में आयोजित रोटैक्स यूरो ट्रॉफी राउंड 2 में अतीका मीर ने नौंवा स्थान हासिल किया है। फॉर्मूला 1 से आर्थिक और तकनीकी सहायता पाने वाली पहली भारतीय अतीका ने क्वालीफाइंग में शानदार प्रदर्शन किया

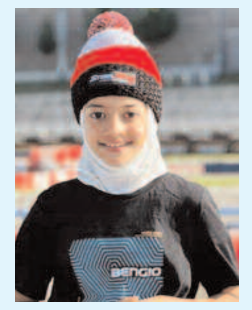

और अपने ग्रुप में सातवें स्थान पर रहीं। दुर्भाग्य से उन्हें दो बंपर पेनाल्टी मिलीं, लेकिन इसके बावजूद वे हीट के बाद 10वें स्थान पर रहीं। रविवार को प्री–फ़ाइनल में, आसमान खुल गया, और इस ट्रैक पर गीले मौसम में ड्राइविंग का कोई पूर्व अनुभव न होने के बावजूद, अतीका ने अपनी असाधारण प्रतिभा दिखाई और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ ड्राइवरों को कड़ी टक्कर दी। वह फाइनल के लिए क्वालीफाई हुई और ग्रिड पर 10वें स्थान पर रही। फाइनल और भी ज्यादा खतरनाक और गीले मौसम में आयोजित किया गया था लेकिन अतीका यहां भी शीर्ष फॉर्म में थी। शुरुआत में चार स्थान गिरने के बाद वापसी करते हुए उन्होंने नौवां स्थान हासिल किया। अतीका इस टूर्नामेंट में सर्वोच्च स्थान पर रहने वाली भारतीय और एशियाई रहीं। अतीका ने कहा, वह अद्भुत वीकेंड था, मैंने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ ड्राइवरों के साथ ड्राइविंग करके बहुत कुछ सीखा। सूखे ट्रैक पर मेरी गति बहुत अच्छी थी, और गीले पर प्रगति अच्छी थी। टीम और मेरे मैकेनिक एडम ने इस सप्ताह बहुत अच्छा काम किया और मैं उनकी, अपने माता–पिता और घर के सभी लोगों की आभारी हूं। रोटैक्स यूरो ट्रॉफी उन ड्राइवरों के लिए एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय कार्टिंग चैम्पियनशिप है, जो रोटैक्स मैक्स इंजन का उपयोग करके दौड़ते हैं, जो विश्व स्तर पर सबसे लोकप्रिय कार्ट इंजनों में से एक है। फार्मूला 1 के जिन ड्राइवरों ने अपने प्रारंभिक वर्षों में इस श्रृंखला में दौड़ लगाई है, उनमें वर्तमान विश्व चैंपियन मैक्स वेरस्टैपेन, जॉर्ज रसेल, लैंडो नोरिस और वर्तमान चैंपियनशिप लीडर ऑस्कर पियास्ट्री शामिल हैं।

आरसीबी 17 हजार करोड़ में बिक सकती है- दावा– मैकडॉवल्स व्हिस्की बनाने वाली कंपनी टीम बेच रही ; आईपीएल जीतने के बाद बढ़ी कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 की चैंपियन बनी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु टीम बिक सकती है। ब्लूमबर्ग के मुताबिक मैकडॉवल्स व्हिस्की बनाने वाली कंपनी यूनाइटेड स्पिरिट लिमिटेड इसे 2 अरब डॉलर यानी करीब 17 हजार करोड़ रुपए में बेचने पर विचार कर रही है। पहले स्रुविजय माल्या की कंपनी थी। माल्या के दिवालिया होने पर इसे ब्रिटिश लिकर कंपनी डियाजियो ने खरीद लिया। डियाजियो ही आरसीबी की मालिक हो गई।

क्यों बिक रही है आरसीबी?

शराब पर फोकस- आरसीबी डियाजियो के मुख्य शराब बिजनेस से अलग है। इसे बेचकर डियाजियो अपने सिर्फ शराब बिजनेस पर फोकस कर सकती है। हाई वैल्यूएशन : आरसीबी ने हाल ही में 2025 में अपनी पहली आईपीएल ट्रॉफी जीती। इसने आरसीबी की कॉमर्शियल वैल्यू बढ़ा दी है। ये बेचने का सही समय हो सकता है। सरकार का दबाव- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय आईपीएल जैसे बड़े खेल आयोजनों में शराब और तंबाकू के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष विज्ञापनों पर पूरी तरह रोक लगाने की मांग कर रहा है। ऐसे में डियाजियो खुद को आईपीएल से अलग करना चाहता है।

आईपीएल के इतिहास में सबसे बड़ा सौदा होगा. अगर डियाजियो आरसीबी को बेचने का फैसला करती है, तो ये आईपीएल के इतिहास का सबसे बड़ा सौदा होगा। जब आईपीएल में दो नई टीमें (लखनऊ सुपर जायंट्स और गुजरात टाइटन्स) जोड़ी गई थीं, तब लखनऊ को आरपीएसजी ग्रुप ने 7,090 करोड़ रुपए में और गुजरात को सीवीसीकैपिटल ने 5,625 करोड़ रुपए में खरीदा था। ये अब तक की सबसे बड़ी फ्रैंचाइजी खरीद डील्स मानी जाती हैं।

2 बिलियन डॉलर यानी, करीब 17,000 करोड़ रुपए की की वैल्यूएशन लखनऊ सुपर जायंट्स और गुजरात टाइटन्स की खरीद से कहीं ज्यादा है।

सिर्फ भारत ही नहीं, इंग्लैंड की इस टीम के लिए खेल चुके हैं शुभमन गिल, ऐसा रहा था रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सितारे शुभमन गिल के लिए इंग्लैंड दौरा बेहद खास होने जा रहा है. इस बार वे न केवल बल्लेबाजी से टीम का नेतृत्व करेंगे, बल्कि पहली बार टेस्ट फॉर्मेट में भारत की कप्तानी की कमान भी संभालेंगे. यह जिम्मेदारी उनके

करियर में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकती है. इससे पहले इंग्लैंड की धरती पर गिल ने अपनी बल्लेबाजी से प्रभाव छोड़ा है, और अब उनकी नजरें कप्तान के तौर पर भी अपनी छाप छोड़ने पर हैं. खास बात यह है कि गिल इंग्लैंड की एक टीम के लिए भी खेल चुके हैं, जिसके बारे में काफी कम फैंस जानते हैं. दरअसल, साल 2022 में शुभमन गिल ने इंग्लैंड की काउंटी क्रिकेट टीम ग्लेमोर्गन के लिए खेला था. ये पहला मौका था जब गिल काउंटी चैंपियनशिप में खेलने उतरे थे. इस दौरान उन्होंने 3 फर्स्ट क्लास मैचों में हिस्सा लिया और अपनी बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचा. गिल ने 61 के शानदार औसत से 244 रन बनाए, जिसमें उनकी तकनीकी मजबूती और अनुकूलन क्षमता साफ दिखी थी. इंग्लैंड की पिचों पर स्विंग और उछाल भरी परिस्थितियों में उनके प्रदर्शन ने यह संकेत दिया कि वे भविष्य में इस चुनौतीपूर्ण मैदान पर बड़ी भूमिका निभा सकते हैं. यह अनुभव उनके लिए इस बार के टेस्ट दौरे की तैयारी में अहम साबित होगा. हालांकि, इंटरनेशनल क्रिकेट में गिल के आंकड़ें इंग्लैंड में कुछ खास नहीं हैं. वह भारत के लिए 3 टेस्ट मैच खेलते हुए इंग्लैंड में 14.66 की औसत से 88 रन ही बना सके हैं. ऐसे में गिल की नजर इस बार अपने इन आंकड़ों को सुधारने पर रहने वाली है.

आईएसएसएफ विश्व कप:

आईएसएसएफ विश्व कप में तीन भारतीयों का डेब्यू, अनुभवी इलावेनिल से पदक की उम्मीदें

म्यूनिख, एजेंसी। महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल और पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धाओं के फाइनल मंगलवार को होंगे। इसके अलावा 10 स्पर्धाओं में से चार के लिए एलिमिनेशन और क्वालिफिकेशन शुरू होंगे।

दो बार की पदक विजेता इलावेनिल वालारिवन से मंगलवार को आईएसएसएफ (अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ) के साल के तीसरे विश्व कप के पहले दिन पदक की सबसे ज्यादा उम्मीदें होंगी क्योंकि उनके अलावा देश के तीन निशानेबाज महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल और पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धाओं में पहली बार इस आयोजन में भाग लेंगे। महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल और पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धाओं के फाइनल मंगलवार को होंगे। इसके अलावा 10 स्पर्धाओं में से चार के लिए एलिमिनेशन और क्वालिफिकेशन शुरू होंगे। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने इस टूर्नामेंट के लिए निशानेबाजों की 22 सदस्यीय दल भेजी है। इसमें दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर के अलावा किरण अंकुश जाधव दो व्यक्तिगत स्पर्धाओं में भाग लेंगी। भारत पहले दिन दो पदक स्पर्धाओं में विश्व कप में पदार्पण करने वाले तीन खिलाड़ियों को मैदान में उतार रहा है। इसमें राष्ट्रीय चैंपियन अनन्या नायडू महिला स्पर्धा में तथा आदित्य मालरा और निशांत रावत पुरुष स्पर्धा में इस स्तर पर पहली बार किस्मत आजमायेंगे। भारत की दूसरी एयर राइफल निशानेबाज आर्या बोरसे भी सीनियर स्तर पर अपने शुरुआती साल में है।

वह हालांकि शानदार फॉर्म में है। उसने ब्यूनस आयर्स और लीमा में वर्ष के पहले दो विश्व कप चरणों में क्रमशः एक व्यक्तिगत फाइनल में जगह बनाई तथा दो मिश्रित टीम रजत पदक जीते। इससे दो बार की ओलंपियन और दो बार की व्यक्तिगत विश्व कप स्वर्ण पदक विजेता इलावेनिल और एशियाई चैंपियनशिप विजेता और चार बार के विश्व कप पदक विजेता वरुण तोमर को दोनों स्पर्धाओं में सीनियर की जिम्मेदारी संभालनी होगी।भारतीय राइफल कोच दीपाली देशपांडे ने सोमवार को टीम के अभ्यास सत्र से पहले कहा, म्यूनिख निशानेबाजी परिसर से हमारे निशानेबाज अच्छी तरह परिचित है। ये सभी यूरोपीय सर्किट पर विभिन्न आयोजनों के लिए कई बार यहां आ चूके है। वे अभ्यास में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, देखते हैं मुकाबले में क्या होता है। भारत ने इस साल की शुरुआत में दक्षिण अमेरिका में हुए विश्व कप के पहले दो चरणों में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था।

एमएस धोनी आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व कप विजेता पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने सोमवार 9 जून को यह घोषणा की। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले 11वें भारतीय हैं। उनसे पहले सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग, डायना एडुल्जी, अनिल कुंबले, बिशन सिंह बेदी, कपिल देव, राहुल द्रविड़, वीनू मांकड़ और नीतू डेविड को शामिल किया जा चुका है।

सर्वकालिक सबसे सफल कप्तानों में से एक माने जाने वाले एमएस धोनी ने भारत को 2007 टी20 विश्व कप, 2011 विश्व कप और 2013 चैंपियंस ट्रॉफी में जीत दिलाई। इसके अतिरिक्त, उनकी ही कप्तानी में 2009 में आईसीसी टेस्ट रैंकिंग के शीर्ष पर पहुंची थी। एमएस धोनी के हवाले से

आईसीसी ने लिखा, 'आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होना सम्मान की बात है, जो दुनिया भर के क्रिकेटर्स के योगदान को पहचान देता है। ऐसे सर्वकालिक महान खिलाड़ियों के साथ अपना नाम जुड़ना एक शानदार अहसास है।

यह कुछ ऐसा है जिसे मैं हमेशा संजो कर रखूंगा।' आईसीसी ने कहा, 'भारत के लिए 17,266 अंतरराष्ट्रीय रन, 829 शिकार (कैच और स्टम्प्स) और विभिन्न फॉर्मेट्स में 538 मैच खेलने वाले धोनी के आंकड़े न केवल उत्कृष्टता, बल्कि असाधारण स्थिरता और फिटनेस को दर्शाते हैं। धोनी उन 7 पूर्व खिलाड़ियों में हैं जिन्हें आईसीसी ने सोमवार 9 जून को हॉल ऑफ फेम में शामिल किया। अन्य खिलाड़ियों में ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू हेडन, दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ, न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान डेनियल विटोरी, दक्षिण अफ्रीका के हाशिम अमला, पाकिस्तानी महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान सना मीर और इंग्लैंड की सारा टेलर शामिल हैं।

जब धोनी 2004 में राष्ट्रीय टीम में शामिल हुए, तो शायद ही किसी ने सोचा होगा कि 23 वर्षीय धोनी विकेटकीपर-बल्लेबाज की भूमिका को किस तरह से नए आयाम देंगे।

जेम्स एंडरसन ने डब्ल्यूटीसी फाईनल से पहले तेज गेंदबाजों को दी खास सलाह

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के महान गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने लंदन के प्रतिष्ठित मैदान पर 29 टेस्ट मैचों में कुल 123 विकेट लिए हैं और इंग्लैंड के इस पूर्व तेज गेंदबाज ने बुधवार को शुरू

होने वाले डब्ल्यूटीसी के फाइनल टेस्ट से पहले दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों को सलाह दी है। दक्षिण अफ्रीका के पास कागिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी और मार्को जेनसन जैसे तेज गेंदबाज हैं और ऑस्ट्रेलिया के पास कप्तान पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क और लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले जोश हेजलवुड जैसे तीन बड़े खिलाड़ी होने की संभावना है, ऐसे में दोनों टीमों के तेज गेंदबाजों के बीच मुकाबला एकमात्र टेस्ट के नतीजे को तय करने में अहम साबित हो सकता है। लॉर्ड्स में एक कार्यक्रम के दौरान एंडरसन ने कहा, यहां निश्चित रूप से आपको गेंद को ऊपर की ओर पिच करने की जरूरत है। बहुत से लोग ऑफ स्टंप के ऊपरी हिस्से की लैंथ को आदर्श मानते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि यहां यह स्टंप से तीन-चौथाई ऊपर है।

अंपायर से बहस, ग्लव्स फेंकना, बैट मारना अश्विन को पड़ा भारी

नई दिल्ली, एजेंसी। तमिलनाडु प्रीमियर लीग में एक मैच के दौरान आर अश्विन एलबीडबल्यू आउट दिए जाने के बाद अंपायर से उलझ गए. वह इतना ज्यादा गुस्सा हो गए थे कि जाते-जाते उन्होंने जोर से अपना बैट अपने पैड पर मारा. इसके बाद उन्होंने अपना ग्लव्स उतारा

और जोर से बॉउंड्री के पार फेंक दिया. जिसके बाद तय था कि उनके खिलाफ एक्शन जरूर होगा. उन्हें आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया, जिसके बाद उन्हें सजा दी गई. कप्तान अश्विन को मैच रेफरी अर्जुन कृपाल सिंह ने 2 मामलों में दोषी पाया, जिसके बाद उन्हें सजा दी गई. अश्विन पर मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया. उन्हें अंपायर से असमाहित दिखाने और क्रिकेट उपकरणों का दुरुपयोग करने के मामले में सजा दी गई. क्रिकबज ने तमिलनाडु प्रीमियर लीग के एक अधिकारी के हवाले से बताया की मैच के बाद इसकी सुनवाई हुई. अंपायरों से असहमति दिखाने के लिए फीस का 10 प्रतिशत काटा गया जबकि 20 प्रतिशत जुर्माना उपकरणों के दुरुपयोग के लिए लगाया गया.

पंजाब किंग्स के बल्लेबाज ने की भविष्यवाणी, अगले साल हम फाइनल खेलेंगे और ट्रॉफी भी जीतेंग

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब किंग्स का पहला इंडियन प्रीमियर लीग खिताब जीतने का सपना 6 रन से टूट गया क्योंकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने मंगलवार 3 जून को फाइनल में जीत दर्ज की। पंजाब के बल्लेबाज शशांक सिंह की आखिरी क्षणों में की गई शानदार पारी की बदौलत टीम आरसीबी के 190 रनों के करीब पहुंच गई, हालांकि टीम जीत नहीं पाई। शशांक ने अब कहा कि अंतिम ओवर में जोश हेजलवुड की फुल टॉस चूकने की बात उन्हें अभी भी परेशान करती है। साथ ही उन्होंने बोल्ड बयान देते हुए कहा कि पंजाब

किंग्स अलगे साल बेंगलुरू में फाइनल खेलेंगी और हम ट्रॉफी भी जीतेंगे। शशांक ने एक मीडिया हाउस से बातचीत में कहा, मैंने आखिरी दो ओवरों का हिसाब लगाया था, भुवी को यॉर्कर पसंद है, इसलिए मैंने उनसे कम से कम 16-17 रन लेने की योजना बनाई थी। मेरा हिसाब था कि आखिरी ओवर में हमारा लक्ष्य 6 गेंदों में 24 रन होना चाहिए। हालांकि भुवी के ओवर में मुझे केवल 13 रन मिले, इसलिए अंतिम ओवर में 30 रन चाहिए थे। उन्होंने कहा, मानसिक रूप से, मेरा दिमाग हेजलवुड की पहली गेंद पर यॉर्कर लेने के लिए तैयार था।

इसलिए मैंने खुद को तैयार किया, लेकिन मैंने कभी भी फुल टॉस की उम्मीद नहीं की, वह भी मेरे जांघ के पैड पर। अब मुझे लगता है, अगर मैं इसे कनेक्ट कर लेता, भले ही यह बल्ले के हैंडल पर लग जाता, तो मैं अधिकतम रन बना सकता था, क्योंकि फाइन-लेग पास था। मैं उनसे वाइड की उम्मीद कर रहा था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जब मैंने स्कोरबोर्ड देखा, जिसमें बताया गया था कि आखिरी गेंद पर 12 रन चाहिए, तो मुझे पता था कि सब खत्म हो गया है। अंतिम ओवर की पहली गेंद पर फुल टॉस चूक जाना अभी भी शशांक को परेशान करता है। उन्होंने कहा, मैं एक मजबूत व्यक्ति हूं, लेकिन जब मैंने पांचवीं गेंद पर छक्का मारा और मैंने देखा कि आखिरी गेंद पर 12 रन चाहिए थे, तो मैं खुद को नियंत्रित नहीं कर सका। मुझे एहसास हुआ कि सब खत्म हो गया है।

जब मैं ड्रेसिंग रूम में आया, तो हर कोई आया और पूछा, मैं क्यों रो रहा हूं? मैंने उनसे कहा, मुझे अपने आप आंसू आ रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं जहां भी गया, लोगों ने मेरी बल्लेबाजी की सराहना की, लेकिन सभी मुझे उस एक फुल टॉस मिस की याद दिला रहे हैं।

मुझे बहुत बुरा लगा। गेंद मेरे कूल्हे पर थी, स्क्वायर लेग ऊपर था, मुझे बस उसे बल्ले को हिट करना था, जो मैं नहीं कर सका। होटल से लेकर एयरपोर्ट, ग्राउंड से लेकर घर तक, हर किसी का एक ही मतलब था कि भैया वो गेंद मार देते बस। बल्लेबाज ने न केवल बेंगलुरू में आईपीएल 2026 के फाइनल में जगह बनाने का संकल्प लिया है, बल्कि खिताब भी जीतने को भी बात की।